RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

साझा करें अपने मित्रों से

श्रीकंचनपथ ONLINE

वर्ष- 13, अंक - 113

visit us http://www.shreekanchanpath.com

भिलाई, सोमवार 7 फरवरी 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

अजब गजबः 13 फरवरी की रात आसमान में दिखेगा अद्भुत नजारा, घर की छत से भी देख सकेंगे आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरिक्ष की दुनिया बेहद खूबसूरत और रोमांचकारी है। समय-समय पर अंतरिक्ष में ऐसी चीजें देखने को मिलती हैं जो काफी हैरान करने वाली होती हैं। अंतरिक्ष में हमारी पृथ्वी की तरह ही अनगिनत ग्रह, उपग्रह, तारे मौजूद हैं। ऐसे में खगोल वैज्ञानिकों ने एक दावा किया है जिसमें कहा गया है कि 13 फरवरी को आसमान में एक अद्भुत चीज देखने को मिल सकती है।

इस दिन आसमान में मंगल और शुक्र एक साथ नजर आएंगे। खगोल वैज्ञानिक इस मिलन को काफी अनोखा और दुर्लभ बता रहे हैं। इस घटना की सबसे अनोखी बात ये है कि इसको देखने के लिए आपको किसी टेलिस्कोप की जरूरत नहीं होगी। इसे आप सामान्य आंखों से भी देख सकते हैं। एस्ट्रोनॉमर्स भाषा में इस घटना को कंजक्शन कहा जाता है। ये दुर्लभ घटना रात को 9 बजकर 38 मिनट पर आसमान में दिखाई देगी।

एक अमेरिकी वेबसाइट ने इस घटना के होने का दावा किया है। ये वेबसाइट Nasa's Jet

Propulsion Laboratory में मौजूद पब्लिक डेटा को जुटाकर अध्ययन करती है। 13 फरवरी को जब ये घटना होगी तब मंगल काफी चमकीला हो जाएगा और इसके साथ ही दोनों ग्रह दक्षिण की तरफ आपस में चिपके हुए भी दिखाई देंगे। ये घटना आसमान से इतनी साफदिखाई देगी कि इसे सामान्य आंखों से भी देखा जा सकेगा। इसके लिए किसी भी टेलिस्कोप की जरूरत भी नहीं होगी। अगर आप भी इन ग्रहों की पहचान नहीं कर पाते हैं तो सुविधा के लिए एंड्राइड और आईओएस ऐप्स भी हैं जिनकी मदद से आप इस दुर्लभ घटना को आसानी से देख सकते हैं।

जी हां, इस दुर्लभ घटना को देखने के लिए इन ऐप्स की मदद ले सकते हैं। इन ऐप्स के नाम SkyView Lite, Star Tracker and Star Walk 2 हैं। इन्हें आप अपने मोबाइल के प्ले स्टोर से डाउनलोड कर इन ग्रहों को देख सकते हैं। इन ऐप्स की मदद से आप बड़ी आसानी से मंगल और शुक्र की पहचान कर सकते हैं।

किराये से देना है

15x20 डबल स्टोरी

दुकान किराये से देना है।

संपर्क :- 99933-16015

किराया - 8000 से 10000 मात्र

हाइवे पेट्रोल पंप के सामने

दुर्गा मंदिर के बाजू में

जनता मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

खास-खबर

राज्यसभा में स्वर कोकिला लता मंगेशकर को दी गई श्रद्धांजलि, वेंकैया नायडू ने पढ़ा शोक संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र के दौरान आज राज्यसभा में स्वर कोकिला और सदन की पूर्व सदस्य लता मंगेशकर को आज श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान वेंकैया नायडू ने शोक संदेश भी पढ़ा। उन्होंने कहा कि लता मंगेशकर के निधन से, देश ने भारतीय संगीत और फिल्म उद्योग की दुनिया में एक महान पार्श्व गायिका, एक दयालु इंसान और एक महान व्यक्तित्व खो दिया है। उनके निधन से एक युग का अंत हुआ और संगीत की दुनिया में अपूरणीय शून्य पैदा हो गया। महान गायिका लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि देते हुए राज्यसभा सदस्यों ने एक मिनट का मौन रखा।

चिर परिचित मुस्कान बिखेर कर अलविदा हुईं दीदी, ब्रीच कैंडी के डॉ. समदानी ने बताया

मुंबई (एजेंसी)। महान गायिका, भारत रत्न लता मंगेशकर की तमाम विशेषताओं के बीच एक और बड़ी बात सामने आई है। रविवार सुबह मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांसें लेते वक्त भी लता जी मन में संतोष का भाव व चेहरे पर मुस्कान थी। इसके साथ ही उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कहा। ब्रीच कैंडी अस्पताल में आखिरी घड़ी में लता मंगेशकर के समीप मौजूद रहे डॉ. प्रतीत समदानी ने यह दावा किया है। पिछले तीन सालों से लता मंगेशकर का इलाज करने वाले डॉक्टर समदानी ने बताया कि जब भी वह बीमार होतीं और उनकी हालत बिगड़ती तो वह उनका इलाज करते थे, लेकिन इस बार उनकी हालत दिनोंदिन गिरती जा रही थी। हालांकि हमने उन्हें बचाने के प्रयास निरंतर जारी रखे, लेकिन दुर्भाग्य से हम उन्हें बचा नहीं सके। डॉ. समदानी ने यह भी खुलासा किया कि जब भी उन्हें अस्पताल में भर्ती किया जाता था तो वह कहा करती थीं कि 'सभी की देखभाल समान रूप से होनी चाहिए'।

आईटीआई ग्राउण्ड में सनसनीखेज वारदात

धुमाल बजाने वाले युवक की बेरहमी से हत्या, सुबह खून से लथपथ मिली लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आईटीआई ग्राउंड खुर्सीपार में आज सुबह युवक की नग्न लाश मिलने से सनसनी मच गई। सुबह खेलने पहुंचे युवकों ने शव को देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान उडिया बस्ती जोन 3 खुर्सीपार निवासी मोनू कुमार के रूप में हुई है। फिलहाल हत्या के कारण का पता लगाया जा रहा है।

खुर्सीपार पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह आईटीआई ग्राउंड में खून से लथपथ शव मिलने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंचने पर पता चला किसी ने युवक की सिर पर भारी भरकम वस्तु

से वार कर हत्या कर दी है। घटना आधी रात के बाद की हो सकती है। प्रारंभिक जांच में मृतक की पहचान जोन 3 उड़िया बस्ती निवासी मोनू कुमार के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि रविवार आधी रात के बाद यहां शराब पार्टी होने की आशंका। मौके पर खाली शराब की बोतल, पानी पाउच व अन्य सामग्री भी बरामद हुए हैं। जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि यहां एक से अधिक युवक रहे होंगे। फिलहाल आसपास लोगों से पूछताछ की जा रही हैं। हत्या क्यों हुई किसने की इस संबंध में सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बताया जा रहा हे जहां घटना घटी है वहां रात को आसामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है। आसपास सुनसान होने के कारण यहां पर रात को शराब पार्टी का दौर चलता रहता है। इसके कारण कई बार मारपीट की घटनाएं भी हुई है। बताया जा रहा है कि बीती रात को भी शराब पार्टी का दौर चला होगा जिसके बाद विवाद की स्थिति के बाद युवक की हत्या कर दी गई। फिलहाल पुलिस इस हत्या के मामले को सुलझाने के प्रयास में लग गई है।

शादी समारोह से लौट रही पिकअप पलटी, 14 घायल 2 की हालत गंभीर

कोरबा में सोमवार सुबह यात्रियों से भरी पिकअप (टाटा एस) पलट गई। हादसे में 14 लोग घायल हुए हैं। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। दो महिलाओं की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलने के बाद डायल-112 ने 108 एंबुलेंस की मदद से सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है। हादसा कटघोरा थाना क्षेत्र में हुआ है। जानकारी के मुताबिक, विजयनगर निवासी परिवार अपने रिश्तेदारों के साथ शादी में शामिल होने के लिए ग्राम भेलवाटिकरा गया था। पिकअप में 20 लोग सवार थे, जिनमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। वहां से लौटने के दौरान मोहनपुर के पास पुल पार करते ही पिकअप अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे पलट गई। पिकअप पलटते ही चीख पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के लोग और राहगीर दौड़कर मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। इसके साथ ही बचाव कार्य शुरू किया गया। लोगों की मदद से पुलिस ने पिकअप में फंसे लोगों को बाहर निकाल कर अस्पताल भिजवाया। बताया जा रहा है कि दो महिलाओं के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। अभी तक घायलों के नाम-पते नहीं मिल सके हैं। महिलाओं और बच्चों के होने से काफी डरे हुए हैं।

सीएम पुत्र विवाह समारोह

मुख्यमंत्री बघेल ने बेटे की शादी में समधी संग लगाए ठुमके, कई दिग्गज नेता विवाह में शामिल हुए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य का विवाह नए रायपुर के एक रिसॉर्ट में धूमधाम से हुआ। बारात में सीएम बघेल ने अपने समधियों के साथ ठुमके लगाए। वे स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव और गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के साथ भी नाचे। कई अन्य नेताओं और विधायकों के साथ भी थिरके।

सीएम पुत्र चैतन्य बघेल के विवाह समारोह में कई दिग्गज नेताओं ने शिरकत की। रविवार को तय मुहूर्त के अनुसार पूजा-अर्चना के बाद बारात निकली। दूल्हा चैतन्य दूधिया रंग की शेरवानी और कलंगीदार साफे में घोड़े पर सवार हुआ। इसके बाद सीएम बघेल व उनके मंत्रिमंडल के तमाम सदस्य बाराती के रूप में नाचते-गाते रिसॉर्ट के दूसरे हिस्से में दुल्हन पक्ष के पांडाल में बारात लेकर पहुंचे। सीएम बघेल सफेद रंग की शेरवानी और रंगीन साफा पहने थे।

अब शादी की तस्वीरें सामने आई हैं। इनमें बारात से लेकर शादी व स्वागत समारोह के दृश्य हैं। बेटे की बारात लेकर जैसे ही सीएम पहुंचे उनके समधी ने उनका गले लगाकर स्वागत किया। शादी में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, गुजरात के पूर्व मंत्री शक्ति सिंह गोहिल, बी.के. हरिप्रसाद, रणदीप सिंह सुरजेवाला, मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, कांग्रेस के छग प्रभारी पी.एल. पुनिया समेत कई नेताओं शिरकत की। पंडितों ने पूरे मंत्रोच्चार के साथ चैतन्य के विवाह की रस्में पूरी कराईं। इस मौके पर दोनों पक्षों के बड़े बुजुर्गों और मौजूद तमाम नेताओं ने नवयुगल को आशीर्वाद दिया।

पहले दो चरणों में मुस्लिम बदल सकते हैं चुनाव का परिणाम, पार्टियों ने रचा है चक्रव्यूह

लखनऊ (एजेंसी)। बीस जिलों में चुनावी रण सज चुका है और सियासी दल आमने-सामने हैं। पहले चरण का चुनाव दस तथा दूसरे चरण का चुनाव 14 फरवरी को है। दोनों चरणों में बड़ी संख्या में मुस्लिम उम्मीदवार मैदान में उतारे गए हैं। अहम यह है कि कई सीटों पर मुस्लिम वोटरों की तादाद काफी है और वे चुनाव का परिणाम बदलने की कुव्वत रखते हैं। यही कारण है कि भाजपा को छोड़ दिया जाए तो बाकी दलों ने मुस्लिमों पर खूब दांव लगाया है। शुरुआती दोनों चरणों में पश्चिमी यूपी की जिन 113 सीटों पर चुनाव हो रहे हैं, वहां मुस्लिम वोटों की तगड़ी पकड़ है। पहले चरण में 11 जिलों की 58 और दूसरे चरण में नौ जिलों की 55 सीटों पर मतदान होना है। इन सीटों पर सपा-रालोद गठबंधन, बसपा, कांग्रेस और ओवैसी की पार्टी ने जमकर मुस्लिमों को टिकट दिए हैं। इन दलों ने 127 मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया है। इनमें पहले चरण की सीटों पर50 तो दूसरे चरण की सीटों पर 77 मुस्लिम उम्मीदवार चुनावी रण में हैं।

नई आबकारी नीति जारीः 15 हजार करोड़ शराब से कमाएगी सरकार, 50 करोड़ लोगों को नुकसान बताने पर होंगे खर्च

जयपुर (एजेंसी)। सरकार ने नई आबकारी नीति जारी कर दी है। पिछले साल जिन्हें लॉटरी से शराब दुकान आवंटित हुई थी, इस बार भी उन्हें ही दो साल और शराब दुकान चलाने का मौका दिया गया है। लाइसेंस धारकों को अलग से आवेदन करने की जरूरत नहीं होगी, उनके लाइसेंस दो साल के लिए रिन्यू करवा किए जाएंगे। तय रकम जमा करने के बाद ठेकेदार शराब दुकान चला सकेंगे। जो ठेकेदार लाइसेंस रिन्यू नहीं करवाएंगे, उन दुकानों की ऑनलाइन नीलामी की जाएगी। सरकार ने शराब से 15 हजार करोड़ के राजस्व वसूली का टारगेट रखा है। वहीं लोगों को शराब के नुकसान बताने के लिए होने वाले प्रचार प्रसार पर सरकार 50 करोड़ रुपए खर्च करेगी।

नई आबकारी नीति में शराब की कंपोजिट दुकानों का प्रावधान किया है। गांवों और छोटे शहरों की तरह प्रदेशभर में अंग्रेजी, देशी शराब और बीयर एक ही

दुकान पर मिलेगी। प्रदेश में 7665 शराब दुकाने होंगी, इनके खुलने का समय सुबह 10 बजे से रात आठ बजे तक रखा गया है। दुकानों की संख्या और टाइम में सरकार ने कोई बदलाव नहीं किया है। शराब दुकानों के लाइसेंस सालाना गारंटी राशि पर दिए जाएंगे। पुराने लाइसेंस धारकों को कंपोजिट फीस जमा करवाने के लिए 28 फरवरी तक छूट दी गई है। दुकानों का लाइसेंस रिन्यू करवाने के लिए तय गारंटी के हिसाब से शराब का उठाव कर बिक्री करने और बकाया पैसा जमा 28 तक जमा करवाने की छूट दी गई है। नई नीति में दुकानों के लाइसेंस रिन्यू करवाने के लिए 7 मार्च तक राशि जमा करवानी होगी। यह रकम जमा करवाए बिना लाइसेंस रिन्यू नहीं होगा। 14 मार्च तक सालाना गारंटी राशि भी जमा करवानी होगी। नई नीति में होटल और रेस्टोरेंट बार की लाइसेंस फीस में भी कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है।

संकट में जुकरबर्गः जल्द बंद हो सकते हैं Facebook और Instagram

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले साल अक्तूबर में फेसबुक का नामकरण हुआ है जिसके बाद कंपनी को मेटा (Meta) के नाम से जाना जा रहा है। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कहा है कि वे चाहते हैं कि दुनिया उनकी कंपनी को सिर्फ फेसबुक के तौर पर नहीं, बल्कि एक मेटावर्स के रूप में जाने, लेकिन लगता है कि दुनिया को कंपनी का नया नाम रास नहीं आ रहा है। नए नाम के बाद भी विवाद कंपनी का पीछा नहीं छोड़ रहे।

मेटा ने अपने एक बयान में कहा है कि यदि उसे अन्य देशों के साथ यूरोपियन यूजर्स का डाटा शेयर करने की इजाजत नहीं मिलती है तो उसे अपनी सेवाएं बंद करनी होगी। मेटा ने कहा है कि यूजर्स का डाटा शेयर ना होने से उसकी सर्विसेज पर प्रभाव पड़ता है। यूजर्स डाटा के आधार पर ही कंपनी यूजर्स को विज्ञापन दिखाती है।

मेटा ने साफ्तौर पर कहा है कि वह 2022 की नई शर्तों को वह स्वीकार तो करेगा लेकिन यदि डाटा ट्रांसफर की सुविधा नहीं मिलती है तो उसे फेसबुक, इंस्टाग्राम समेत अपनी कई सेवाएं बंद करनी पड़ेंगी। बता दें कि अभी तक मेटा यूरोप के यूजर्स को डाटा अमेरिका सर्वर पर स्टोर कर रहा था लेकिन नई शर्तों में डाटा शेयर की मनाही है।

बता दें कि पहले Privacy Shield कानून के तहत यूरोपीय डाटा को अमेरिकी सर्वर पर

डाटा सर्वर को लेकर बिगड़ा मामला

मेटा ने सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन को बताया है कि यदि जल्द-से-जल्द सर्विस को लेकर नया फ्रेम वर्क तैयार नहीं किया गया तो यूरोप के यूजर्स के लिए उसे अपनी सेवाएं बंद करनी पड़ेंगी। यूरोपियन यूनियन के कानून के मुताबिक यूजर्स का डाटा यूरोप में नहीं रहना चाहिए, जबकि मेटा की मांग है को यूजर्स का डाटा शेयर करने की इजाजत मिले। जुकरबर्ग चाहते हैं कि यूरोप के यूजर्स का डाटा भी अमेरिकन सर्वर पर स्टोर हो।

ट्रांसफर किया जाता था, लेकिन इस कानून को जुलाई 2020 में यूरोपीय कोर्ट ने खत्म कर दिया। प्राइवेसी शील्ड के अलावा मेटा यूरोपीय यूजर्स का डाटा अमेरिकी सर्वर पर स्टोर करने के लिए Standard Contractual Clauses का भी इस्तेमाल कर रही है, लेकिन इस पर भी यूरोप समेत कई देशों में जांच चल रही है।

छत्तीसगढ़ में कम हुआ संक्रमण, 24 घंटे में कोरोना के 976 नए केस मिले, 9 की गई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना की तीसरी लहर का संक्रमण अब धीरे-धीरे कम हो रहा है। कोरोना से मौत के आंकड़े भी पखवाड़ेभर बाद 10 से नीचे आया। पॉजिटिविटि दर भी कम हो गई। रविवार को प्रदेश में 976 नए केस मिले हैं, जिसमें दुर्ग में सबसे ज्यादा 198 संक्रमितों की पुष्टि हुई है। कोरोना से प्रदेश में 9 लोगों की जान भी चली गई। रायपुर और दुर्ग में 100 से ज्यादा केस मिले हैं। प्रदेश में अभी 16,608 सक्रिय मरीज हैं। छत्तीसगढ़ में इस महामारी से अब तक 13,937 लोगों की जान जा चुकी है।

स्वास्थ्य विभाग के राज्य कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से मिली जानकारी के मुताबिक रविवार को प्रदेश में 976 नए केस मिले हैं, जिसमें सबसे ज्यादा दुर्ग में 198 नए

संक्रमित मिले हैं। इसके बाद रायपुर में 145, राजनांदगांव में 71, कांकेर में 71, कोरबा में 57, बिलासपुर में 56, बलरामपुर में 55, कोंडागांव में 43, जांजगीर-चांपा व बस्तर में 34-34, सरगुजा में 31, जशपुर में 30, रायगढ़ में 27, महासुंद व सूरजपुर में 21-21, कोरिया में 19, धमतरी में 16 नए केस मिले हैं। प्रदेश के 19 जिलों में 1 से 50 के बीच व 5 जिलों में 51 से 100 के बीच मरीज मिले हैं। प्रदेश में अब कुल सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 16,806 पहुंच गई है।

दुर्ग में 3, रायपुर में 2 की मौत

रविवार को 21 हजार 139 सैंपलों की जांच की गई। प्रदेश में पॉजिटिविटी दर 5.32 प्रतिशत से घटकर 4.62 प्रतिशत हो गई है। कोरोना संक्रमण से दुर्ग में 3, रायपुर में 2, राजनादगांव, बलौदबाजार, बस्तर व कोंडागांव में 1-1 की मौत हुई है। हॉस्पिटल से 61 लोग डिस्चार्ज हुए तो वहीं 1,180 लोगों ने होम आइसोलेशन पूरा किया है। राज्य नोडिल अधिकारी डॉ. सुभाष मिश्रा ने कहा कि प्रदेश में पॉजिटिविटी दर कम हुई है। प्रदेश में कोरोना की तीसरी लहर का असर धीरे-धीरे कम हो रहा है।

कोरोना मामलों में आई भारी कमी, सक्रिय मामले घटकर हुए 11 लाख के करीब, 895 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना संकट के बीच आज राहत की खबर आई है। दरअसल, आज कोरोना संक्रमितों की संख्या में भारी कमी आई है और सक्रिय मामले भी तेजी से घट रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी सोमवार (7 फरवरी) के आंकड़े के अनुसार देश में बीते 24 घंटे में 83 हजार 876 (83,876) नए मामले सामने आए हैं जो कि कल की तुलना में लगभग 25 हजार कम हैं। वहीं बीते 24 घंटे में 895 लोगों की कोरोना से मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार देश में अब 11.08 लाख (11,08,938) सक्रिय मामले बचे हैं। वहीं स्वस्थ होने वाले मरीजों की संख्या 1.99 लाख(1,99,054) रही। राहत की बात यह भी है कि रोजाना संक्रमण दर घटकर 7.25 फीसदी पर आ गई है।

संपादकीय

विदा लता मंगेशकर

स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर देश और उसके बाहर उमड़ा भावनाओं का ज्वार बताता है कि लोग उनसे कितना प्यार करते थे, और उनके प्रति कितना गहरा सम्मान रखते थे। वह सही मायने में इस उप-महाद्वीप की सबसे लोकप्रिय गायिका थीं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल आदि देशों के शासनाध्यक्षों व सरकारों के शोक संदेश बताते हैं कि उनकी लोकप्रियता ने कितनी दूरी तय की थी। लता जी का जीवन लंबा ही नहीं, बेहद सार्थक भी रहा, और अब जब वह इस नश्वर दुनिया से कूच कर गई हैं, तब उनके गीत लोगों को यह आश्वस्ति देते हैं कि अपनी सुरीली आवाज में वह हमेशा उनके साथ रहेंगी। पिछले महीने कोविड संक्रमण की चपेट में आने के बाद से ही वह बीमार चल रही थीं और रविवार सुबह उन्होंने आखिरी सांस ली।

> “भारतीय संगीत की सेवा और देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने में उनके अप्रतिम योगदान को तमाम सरकारों ने सराहा और वह कई विशिष्ट नागरिक अलंकरणों से नवाजी गईं। साल 2001 में उन्हें ‘भारत रत्न’ से सम्मानित किया गया था। लता मंगेशकर के सम्मान में राजकीय शोक की घोषणा साबित करती है कि वह भारत के लिए कितनी महत्वपूर्ण थीं। संगीत के जरिये दुनिया भर में भारतीयता का परचम बुलंद करने वाली इस महान कलाकार को हमारी श्रद्धांजलि!

लता मंगेशकर का जीवन न सिर्फसंगीत की दुनिया के लोगों के लिए, बल्कि हर उस संघर्षशील व्यक्ति के लिए प्रेरक है, जो अपनी सलाहियत और परिश्रम से देश-समाज में ऊंचा मुकाम पाने की हसरत रखता है। शुरुआती जिंदगी में लता जी को काफी संघर्ष करना पड़ा था। छोटी उम्र में ही पिता की मौत हो गई थी और उसके बाद घर की सबसे बड़ी संतान की जिम्मेदारी ने उन्हें फिल्मों में एक्टिंग की मजबूरी थमा दी। 1947 में वह भी छूट गया। उसके बाद उन्होंने पार्श्व गायकी में ही करियर बनाने का फैसला किया। लेकिन वहां भी पहली मुलाकात इनकार से हुई। फिल्मिस्तान के मालिक ने इस टिप्पणी के साथ उन्हें लौटा दिया था कि लता की आवाज बहुत बारीक है और उनकी अभिनेत्री के मुफीद नहीं है। पर लता जी ने हार नहीं मानी। अपना रियाज बढ़ाया, मास्टर गुलाम हैदर से बाकायदा पार्श्व गायकी की बारीकियां सीखीं और फिर 1949 में आई फिल्म महल के गीत ने उनके लिए अवसरों के दरवाजे खोल दिए।

अनेक भाषाओं में हजारों गीतों को मधुर स्वर देने वाली लता मंगेशकर के कई तरानों ने तो वह हैसियत पा ली है कि उनके बिना कुछ आयोजन अधूरे-से लगते हैं। लोरी, भजन, गजल, हर विधा में वह बेजोड़ रहीं। देशभक्ति से जुड़ा कोई भी जलसा उनके गाए ऐ मेरे वतन के लोगों और वंदे मातरम् के बिना पूरा नहीं होता। वह क्रिकेट की कितनी बड़ी प्रशंसक थीं, इसका प्रमाण सन 1983 में मिला था, जब भारत ने पहला एकदिवसीय विश्व कप जीता था। लता जी ने विजेता खिलाड़ियों की आर्थिक मदद की खातिर एक संगीत कार्यक्रम के लिए हुलसकर हामी भरी थी। उस जलसे में उन्होंने व अभिनेता दिलीप कुमार ने भारतीय क्रिकेटरों की शान में जो कुछ कहा, वह किसी तरन्नुम से कम न था। लता जी को मिलने वाले पुरस्कारों का आलम यह रहा कि एक वक्त उन्हें स्वयं अनुरोध करना पड़ा कि वह अब ट्रॉफी स्वीकार नहीं कर सकतीं, नए कलाकारों का हौसला बढ़ाया जाना चाहिए। भारतीय संगीत की सेवा और देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने में उनके अप्रतिम योगदान को तमाम सरकारों ने सराहा और वह कई विशिष्ट नागरिक अलंकरणों से नवाजी गईं। साल 2001 में उन्हें ‘भारत रत्न’ से सम्मानित किया गया था। लता मंगेशकर के सम्मान में राजकीय शोक की घोषणा साबित करती है कि वह भारत के लिए कितनी महत्वपूर्ण थीं। संगीत के जरिये दुनिया भर में भारतीयता का परचम बुलंद करने वाली इस महान कलाकार को हमारी श्रद्धांजलि!

> “अब पृथ्वी पर मौजूद यह स्वर देवलोक चला गया है, जहां से ढेरों राग-रागिनियां अपनी सबसे उदात्त अभिव्यक्ति में सुर का एक प्रतिसंसार रच रही होंगी। हम यहां उनके न रहने पर उन्हीं की आवाज में तड़पते रह जाएंगे, जो आज से बरसों पहले उन्होंने गाकर अभिव्यक्त किया था- खुदा निगहबान हो तुम्हारा/ धड़कते दिल का पयाम ले लो/ तुम्हारी दुनिया से जा रहे हैं/ उठो हमारा सलाम ले लो!

उनको सुनकर जी उठते थे

यतींद्र मिश्र ,कला समीक्षक

देश के लिए कल का दिन सबसे बेसुरा रहा। हम सबकी अपनी और बेहद आदरणीय पार्श्व गायिका लता मंगेशकर का निधन भारतीय जनमानस के लिए उन सबसे कष्टप्रद क्षणों में एक है, जिसकी कल्पना कोई शायद ही कभी करना चाहता था। भारतीय उप-महाद्वीप की सबसे सुरीली उपस्थिति का लोप, एक ऐसी कलात्मक विपन्नता है, जो इस शताब्दी में शायद ही पूरी हो सके।

लता मंगेशकर सिर्फ एक आवाज, एक किरदार, एक कलाकार का नाम नहीं है, बल्कि यह आजाद भारत की सांस्कृतिक विकास-यात्रा के समानांतर चलने वाला वह प्रतीक भी है, जिसके होने से संगीत और सिनेमा की दुनिया में तब उजाला फैलना शुरू हुआ, जब सन 1947 में फिल्म आपकी सेवा में उनकी आमद हुई थी। क्या संयोग है कि इस देश को आजाद हुए जितना समय बीता है, उतने ही लंबे कालखंड में लता दीनानाथ मंगेशकर की जीवंत आवाज की सुरीली यात्रा जारी रही है। हिंदी फिल्म संगीत के इतिहास पर निगाह डालते हुए कुछ ऐसे गाने याद आते हैं, जिनको आज दशकों बाद याद करते हुए आंखों में आंसू आते हैं। मदन मोहन के संगीत में बागी (1953) के लिए उनका गाया हमारे बाद अब महफिल में अफसाने बयां होंगे, हेमंत कुमार की कंपोजीशन में दुर्गेशनंदिनी (1956) का कहां ले चले हो बता दो मुसाफिर, सितारों से आगे ये कैसा जहां है और रोशन की संगीतबद्ध ममता (1966) में रहें न रहें हम महका करेंगे तो आज भी जितने प्रासंगिक हुए जाते हैं, उनकी कालातीत अभिव्यक्ति प्रसन्न करने की जगह इस वक्त दुख दे रही है। यह हममें से किसी भी संगीतप्रेमी ने कभी न सोचा होगा कि एक ऐसा समय भी आएगा, जिसमें हम लता जी की अनुपस्थिति की चर्चा करेंगे, जबकि हम यह जानते हैं कि जीवन के साथ मृत्यु एक ऐसा सत्य है, जिसे गरिमा और आदर के साथ हर किसी को स्वीकारना ही पड़ता है। संयत रहते हुए और लता जी के विराट जीवन को संपूर्णता से देखने के बावजूद कबीर की यह सूक्ति झुठलाने का मन करता है- हम न मरब मरिहैं संसारा/ हमको मिला जियावनहारा!

लता जी की गायिकी और उनकी सहेजी हुई सांगीतिक थाती उसी जियावनहारा की तरह है, जो एक आम व्यक्ति को उसके सबसे नाजुक और तकलीफ भरे क्षणों में राहत के पल मुहैया कराती है। इस बात से कौन इत्तिफाक नहीं रखेगा कि उसके जीवन में लता मंगेशकर का गाया हुआ कोई न कोई ऐसा गीत जरूर रहा है, जिसने उसे प्रभावित किया, तकलीफ के मौकों पर संबल प्रदान किया या किसी आत्मीय और उल्लास वाले समय में उसके आनंद में वृद्धि की। लता मंगेशकर एक ऐसा करिश्मा रही हैं, जिनको भारतीय जनमानस ने बड़े स्तर पर जाति, पंथ, मजहब व सरोकारों से ऊपर उठकर सराहा और प्यार किया। एक पारंपरिक मराठी ब्राह्मण परिवार की बेटी की आवाज में खुदा की इबादत का सलाम बेकस पे करम कीजिए सरकारे-मदीना गाते हुए किसकी आंखें नहीं भीगी होंगी? मीराबाई की करुण पुकार का पद सखी री लाज बैरन भई हो या मराठी फिल्म अमर भूपाली की प्रार्थना घनश्याम सुंदरा श्रीधरा अरुणोदय झाला, लता जी हर जगह अप्रतिम थीं, उनका भाव अपूर्व था, आवाज अतुलनीय रही।

लता मंगेशकर की उपस्थिति का अवदान अब व्यापक अर्थों में शोध का भी विषय है। जैसे, उनके होने में दक्षिण एशियाई स्त्री की गरिमा और पहचान, उसकी उन्मुक्त आकांक्षा का स्वप्न और संघर्ष, पारंपरिक ढंग से जीवन जीते हुए अपनी कला में शिखर अर्जित करने का मुकाम, सभी कुछ प्रेरणा की तरह भविष्य में देखे-समझे जाएंगे। उन्होंने सिनेमा जैसे माध्यम में रहते हुए ढेरों मानक तय किए। जब आवाज की दुनिया को बहुत सम्मान नहीं दिया जाता था, उस दौर में भी उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि रेडियो पर फिल्मी गीतों को बजाने से पूर्व पार्श्व गायकों-गायिकाओं के नाम भी प्रसारित किए जाएं। खान मस्ताना जैसे गायक की आर्थिक दशा से विचलित होकर उन्होंने यह लड़ाई लड़ी कि गायकों को भी अन्य लोगों की तरह फिल्म और रेकॉर्ड कंपनियां उचित लाभांश (रॉयल्टी) प्रदान करें। इसके साथ उन्होंने यह भी अपनी जिद पर संभव किया कि सिनेमा में अश्लील और द्विअर्थी बोलों वाले गीतों को कभी नहीं गाएंगी।

उन्हीं के इसरार पर यह एक परिपाटी सी बनी कि लता जी की रिकॉर्डिंग के दौरान दिग्गज साहिर लुधियानवी, मजरूह सुल्तानपुरी और शैलेंद्र जैसे गीतकार भी स्टूडियो में मौजूद रहते थे, ताकि किसी गीत को रिकॉर्ड करते समय लता जी को कोई परेशानी आड़े आती है, तो शब्द वहीं दुरुस्त किए जा सकें। फिल्मफेयर पुरस्कारों में उनके मना करने पर कि सर्वश्रेष्ठ संगीत के लिए दिए जाने वाले पुरस्कार में वह अपनी आवाज नहीं देंगी, क्योंकि यह सम्मान गायकी के लिए नहीं है, संगीतकार अपनी धुन बजा दें, फिल्मफेयर को पार्श्व गायन के लिए एक नई श्रेणी आरंभ करनी पड़ी, जिसका फायदा लता मंगेशकर को ही नहीं, बाद की पीढ़ी को भी मिला। ऐसी ढेरों मिसालें हैं, जिनसे लता मंगेशकर की जिजीविषा, उनकी सैद्धांतिकी और संघर्ष की आंच को कुंदन बनते देखा जा सकता है। यह लता ही थीं, जिनके कारण तीन मिनट के गीतों में हम रागदारी की शुद्धता, मींड़ और गमक का असाधारण काम और शब्दों के बीच ध्वनित होने वाले अर्थों को उसकी शुद्ध साहित्यिक आभा के कारण सुन सकते हैं। पंडित कुमार गंधर्व ने उन पर एक लेख लिखा और यह स्थापित करने की पहल की कि लता का स्थानापन्न शास्त्रीय गायिकी में भी संभव नहीं। पंडित जसराज का यह कहना कि भला हुआ, लता फिल्म संगीत में हैं, नहीं तो हम लोगों का क्या होता, दरअसल ये अतिरंजित कथन नहीं हैं, बल्कि एक करिश्माई किरदार के प्रति वह आभार और कृतज्ञता ज्ञापन हैं, जो पिछली शताब्दी में इस सुरीली गंधर्व-सेविता को हासिल हुए हैं।

मेरा पक्का विश्वास है कि गंधर्व-सेविताएं मरती नहीं, बल्कि अपने लोक को छोड़कर दूसरे लोक को सुरीला करने जाती हैं। अब पृथ्वी पर मौजूद यह स्वर देवलोक चला गया है, जहां से ढेरों राग-रागिनियां अपनी सबसे उदात्त अभिव्यक्ति में सुर का एक प्रतिसंसार रच रही होंगी। हम यहां उनके न रहने पर उन्हीं की आवाज में तड़पते रह जाएंगे, जो आज से बरसों पहले उन्होंने गाकर अभिव्यक्त किया था- खुदा निगहबान हो तुम्हारा/ धड़कते दिल का पयाम ले लो/ तुम्हारी दुनिया से जा रहे हैं/ उठो हमारा सलाम ले लो!

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कानून का शासन बनाम कबाइली संस्कृति

नमिता भंडारे , वरिष्ठ पत्रकार

मेरे ट्विटर टाइमलाइन पर वह वीडियो जब पहली बार फ्लैश हुआ, तब मेरे मन में पहला ख्याल यही आया कि इसे तत्काल बंद कर दूं। लेकिन मैं उस वीडियो को बंद नहीं कर सकी। वह विकृत वीडियो एक महिला का था। अपने ईदगिर्द मौजूद लोगों से, जिनमें ज्यादातर महिलाएं ही थीं, वह खुद को बख्श देने की भीख मांग रही थी। उसके सिर के एक हिस्से के बाल काट दिए गए थे, उसका चेहरा काला कर दिया गया था, और उसके गले में जूतों की माला डाल दी गई थी।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, 21 वर्षीया यह पीड़िता दो साल की एक बच्ची की मां है। सामूहिक दुष्कर्म और पिटाई के बाद इसे पूर्वी दिल्ली के आसपास के इलाकों में घुमाया गया था। बताया जा रहा है कि कुछ महीने पहले उसने एक नाबालिग लड़के के प्रणय निवेदन को ठुकरा दिया था, जिसके बाद उस किशोर ने खुदकुशी कर ली थी, और ये सब उस किशोर के परिवार के लोग थे, जो महिला से बदला ले रहे थे। उस महिला के साथ जुल्म होता रहा और दूसरे तमाम लोग तमाशबीन बने रहे। किसी ने भी पुलिस को सूचित करना मुनासिब नहीं समझा। यह एक ऐसी उदासीनता है, जो बड़े पैमाने पर लोगों में देखी जाती है। इस घटना के अगले दिन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ट्वीट करते हैं कि लोग ऐसे अपराध को बर्दाश्त नहीं करेंगे। मगर असलियत यही है कि वे इसको बर्दाश्त करते हैं। इससे भी अधिक चिंताजनक सवाल यह है कि यह घटना कानून के राज में लोगों के भरोसे को लेकर आखिर क्या कहती है? मनोवैज्ञानिक रजत मित्रा के मुताबिक, छोटे कस्बों और गांवों में महिलाओं के साथ इस तरह का दुर्व्यवहार आम बात है, लेकिन महानगरों में भी यदि इस तरह की घटना घट रही है, तो यह संकेत है कि कानून के शासन में लोगों का भरोसा छीजने लगा है।

कई अर्थों में यह कबीलाई संस्कृति की झलक है, जिसमें भीड़ अपनी समझ से इंसाफतय करती। इस संस्कृति में न्याय करने वालों को भीड़ की इजाजत हासिल होती है, फिर चाहे वह ‘न्याय’ जेबकतरे के साथ किया जा रहा हो, तथाकथित ‘बीफखाने वाले’ के साथ या फिर ‘इज्जत के नाम पर हत्या’ से जुड़ा हो। मित्रा कहते हैं, संविधान को अंगीकार किए जाने के सात दशक बाद भी कानून का शासन हमारे आम जनजीवन का हिस्सा नहीं बन सका है। कभी-कभी तो इस अविश्वास की झलक कानून बनाए रखने की शपथ लेने वालों में भी दिख जाती है, जैसे हैदराबाद में एक पशु-चिकित्सक युवती के साथ किए गए सामूहिक दुष्कर्म के आरोपियों को पुलिस द्वारा मुठभेड़ में मार गिराए जाने के बाद पुलिसकर्मियों के जयकारे लगाए गए, यहां तक कि संसद में भी इस पर हर्ष जताया गया।

इसी तरह, स्वतंत्र भारत का एक और सच है, जो लगातार बना हुआ है, और वह है- महिलाओं की आजादी का अस्वीकार। यदि वह किसी पुरुष की ‘मांग’ को अस्वीकार कर देती है, तो सार्वजनिक रूप से अपमानित किए जाने, पीछा किए जाने और एसिड हमले जैसे खतरे उसके लिए बढ़ जाते हैं। दिल्ली की निर्मम वारदात के चंद दिनों के भीतर ही श्रीनगर में घटी घटना में एक 24 वर्षीया महिला पर इसलिए एसिड हमला किया गया, क्योंकि उसने एक व्यक्ति के ‘प्रस्ताव’ को ठुकरा दिया था। वह शख्स अब सलाखों के भीतर है। विडंबना तो यह है कि जब यही महिला अपनी पसंद का कोई साथी चुनती है, तब भी वह उतनी ही जोखिम में होती है। इस तरह के मामले में तो उसे अपने परिवार व कानून से भी सजा मिल सकती है। कई राज्यों में ‘लव जेहाद’ कानून ने अंतर-धार्मिक संबंधों के मामले में न केवल भीड़ हिंसा के लिहाज से, बल्कि शासकीय कार्रवाई के नजरिये से भी खतरा बढ़ा दिया है।

दिल्ली में महिला की वह परेड उस दिन हुई, जिस दिन सशस्त्र बलों की महिलाएं देश के 73वें गणतंत्र दिवस के जलसे में राजपथ पर परेड का नेतृत्व कर रही थीं। यदि दिल्ली में भीड़ के बीच ऐसा हो सकता है, तो यह एक संकेत है कि हमें अभी कितना लंबा रास्ता तय करना है। जब तक हम इस समस्या का उचित समाधान नहीं ढूंढ़ लेंगे, अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा नहीं देंगे और सांविधानिक मूल्यों में विश्वास नहीं मजबूत करेंगे, भीड़ इसी तरह राज करती रहेगी।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

• Party Orders... • Out Door Premium Catering • Parcels...
VEG NON-VEG SWIGGY zomato
PUNJAB CHICKEN
9993741754, 0788-4038954
Opposit Boys Polytechnic Hostel G.E. Road, Durg (C.G.)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

श्री सांई शूज कलेक्शन
जूते, चप्पल एवं पंजाबी जूती की विशाल श्रृंखला
Roshi 9302834546
मेनोनाईट चर्च के सामने, जी.ई. रोड. दुर्ग (छ.ग.)

डिम्पी ज्वेलर्स
सजेश भोरकर 9907157053
राकेश भोरकर 9302830835
आजाद चौक, कसारीडीह, दुर्ग (छ.ग.)

स्थानांतरण
लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल भैय्या 9770584111 8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

NJ
सोने, चांदी के जेवर के विक्रेता
सांखला नवीन ज्वेलर्स
जवाहर चौक, दुर्ग

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
राजहंस राजस्थानी थाली रेस्टोरेन्ट
शुद्ध शाकाहारी भोजन की व्यवस्था
पार्सल की सुविधा उपलब्ध
भागीरथ पंचारिया मो.- 9893302026 हरिश जोशी मो.- 7000515894
होटल न्यू इंडिया के नीचे, पोलसाय पारा चौक, दुर्ग (छ.ग.)

With Best Service and Quality Since Last 28 Years
कृष्णा ऑप्टिकल्स
आँखों की निःशुल्क जांच की जाती है तुरंत चश्मा प्राप्त करें
krishnaopticalsdurg.com ahujav67@gmail.com krishna_opticals_1993 krishnaoptical'sdurg
नये बस स्टैण्ड के सामने, सौभग्य कॉम्पलेक्स, दुर्ग 98279 53331
मातोश्री काम्पलेक्स, महाराजा चौक, दुर्ग 93031 07850

सुशील म्युजिकल
इलेक्ट्रीक शाही बेन्जो के निर्माता
सभी प्रकार के संगीत वाद्य यंत्र के विक्रेता
स्टेशन रोड, फरिश्ता काम्पलेक्स के पास दुर्ग (छ.ग.) - 491001
मो.-9993626855, फो.-07884010027
e-mail-sushilmusical@gmail.com

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेंडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

रायपुर प्रेस क्लब ने दी लता मंगेशकर को विनम्र श्रद्धांजलि

रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब ने भारत रत्न स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रेस क्लब अध्यक्ष दामु आम्बेडारे ने लता मंगेशकर के कंठ में मां सरस्वती स्वरूप था उनका जाना विश्व के संगीत प्रेमियों के लिए भारी क्षति है। लगभग 80 वर्ष तक विभिन्न भाषाओं में 50 हजार से भी अधिक गीतों को गाने वाली लता मंगेशकर के निधन पर रायपुर के संगीत प्रेमियों सहित प्रेसक्लब में भी सदस्य भारी दुखी है। समय समय पर प्रेस क्लब में होने वाले सांस्कृतिक आयोजनों में अब जब भी लता मंगेशकर के गीतों की गाने की बारी आएगी निश्चय ही सदस्यों की आंखें आंसुओं से डबडबा जाएगी। उन्होंने नमन करते हुए कहा कि लता दीदी के निधन से हम सब दुखी हैं। उनके निधन से कला एवं संस्कृति क्षेत्र में जो शून्य उभरा है, उसे कभी भी भरा नहीं जा सकता। स्वर सरस्वती लता दीदी का निधन देश के साथ ही विश्व के स्वर साधना क्षेत्र की अपूरणीय क्षति है। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा परिजनों एवं उनके प्रति श्रद्धा रखने वाले संगीतप्रेमियों को यह आघात सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

निर्मला स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता संपन्न

दल्लीराजहरा । आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य पर आयोजित जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में जिला के सैकड़ों छात्रों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में निर्मला स्कूल दल्ली राजहरा के छात्रों ने बाजी मारी। जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में जिले के माध्यमिक वर्ग में निर्मला स्कूल की जानवी साहू ने प्रथम स्थान, समृद्धि कसर द्वितीय स्थान । वहीं जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान लावण्या साहनी एवं तृतीय स्थान वैभव यादव ने प्राप्त किया। बालोद जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में देश के 75वें आजादी के वर्षगांठ आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इस के तहत देशभक्ति थीम पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें निर्मला स्कूल के छात्रों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा घोषित किया जाये तथा रायपुर में कार्गो हब बनाया जाये : अमर पारवानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल बताया कि चेम्बर के प्रतिनिधि मंडल ने नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रथम रायपुर आगमन पर उनसे मुलाकात कर उनका स्वागत अभिनंदन किया। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर की हवाई यात्रा एवं यात्रियों की सुविधाओं हेतु कुछ सुझाव एवं मांग संबंधी ज्ञापन सौंपा।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी ने पत्र के माध्यम से बताया कि रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल से कोविड के पूर्व प्रति दिन 55 से 60 उड़ानों का आवागमन होता था, किंतु कोविड के कारण उड़ानों में कुछ कमी आयी थी, पर देखा जा रहा है कि पुनः उड़ानों में कोविड के पहले वाली स्थिति बनती जा रही है, जिससे भविष्य में पूर्व की भाँति प्रति माह कुल 1,30,000 से 1,50,000 हवाई यात्रियों का आवागमन प्रारम्भ हो जायेगा। श्री पारवानी ने कहा कि रायपुर विमानतल से जयपुर, सूरत, जोधपुर ,अहमदाबाद, चंडीगढ, अमृतसर एवं गुना तक के लिये उड़ान प्रारम्भ करने की माँग लम्बे समय से की जा रही है, जिसे जल्द से जल्द प्रारम्भ करवाने का कृपा करें। जिससे यहां के यात्रियों कम समय और कम खर्चे में सीधे यात्रा का लाभ मिल सके। रायपुर से गुना के लिये फ्लाइट की सुविधा उपलब्ध कराई जाये क्योंकि गुना के अशोक नगर में जैन मंदिर है एवं श्री आनंदपुर एक भव्य तीर्थस्थल धाम है जहां हजारों लाखों की संख्या में लोग दर्शनों के लिए छत्तीसगढ़ के अनेक जिलों से जाते हैं। श्री पारवानी ने आगे बताया कि रायपुर विमानतल देश के बिल्कुल मध्य में स्थित होने के कारण देश के किसी भी कोने से दो घंटे के अंदर कोई भी सामान भेजा और मंगाया जा सकता है, अतः कार्गो हब की स्थापना अत्यंत ही आवश्यक है, क्योंकि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान प्रदेश है, रायपुर से फल, सब्जियाँ एवं फूल इत्यादि दूसरे शहरों को भेजा जाता है तथा एयर कार्गो के द्वारा रोजाना 20 से 25 टन सामान जिसमें दवाईयाँ, जड़ीबूटियां, फल, मशीनों के पार्ट्स इत्यादि बहुत सी चीजें रायपुर में आती है। कृषि उड़ान योजना को छत्तीसगढ़ प्रदेश में भी लागू किए जाने से कृषि बहुल प्रदेश छत्तीसगढ़ को भी अधिक लाभ होने की संभावना है। अतः रायपुर में कार्गो हब बनाये जाने की अत्यंत आवश्यकता है।

श्री पारवानी ने स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा घोषित किया जाना चाहिये, क्योंकि यहाँ अंतर्राष्ट्रीय उड़ान के आवागमन के सभी मापदंड पूरा करता हैं, साथ ही नया ज्ब्ब् ज्वम्त् भी बनकर तैयार हो चुका है। जिससे विमानन कम्पनियों को अंतर्राष्ट्रीय उड़ान का परिचालन प्रारम्भ करने में आसानी होगी। रायपुर विमानतल से अन्य देश जैसे कि थाईलैंड, दुबई एवं सिंगापुर आदि के लिये यात्रियों की संख्या भी बहुत अधिक है। रायपुर विमानतल दो-तीन वर्ष पूर्व रात्रि में विमान को पार्क करने हेतु फ्री पार्किंग प्रारम्भ करने की योजना थी, जिसे अविलम्ब प्रारम्भ किया जाना चाहिये, जिससे विमानन कर्मियों के रायपुर में विश्राम करने से होटल एवं ट्रैवल एजेंट वालों को व्यवसाय मिलेगा, साथ ही साथ विमानों के रख-रखाव वाली टीम भी रायपुर में स्थायी रूप से रहेगी और यात्रियों के लिये सुबह-सुबह दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद एवं अन्य स्थानों के लिये फ्लाइटों की सुविधा प्रतिदिन जाने एवं उसी दिन आने हेतु किफायती किराये में मिल पायेगी।

अब दर्ज होगा सरकारी संपत्ती को नुकसान करने का मामला

कामकाजी महिलाओं के लिए बन रहे शौचालय को अज्ञात ने किया ध्वस्त, ठेकेदार पहुंचा थाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। इंटरनेशनल कॉलोनी गेट के निकट कामकाजी महिलाओं के लिए निर्माणधीन शौचालय को क्षतिग्रस्त करने वालों के लिखाफ भिलाई नगर पुलिस एफआईआर करेंगी। इस मामनले में निर्माण एजेंसी के ठेकेदार मुकेश सिंह ने शिकायत की है। उल्लेखनीय है कि अज्ञात ने 3 फरवरी की रात निर्माण कार्य को क्षतिग्रस्त कर दिया। इससे निगम को लाखो की क्षति हुई है।

खासबात यह है कि नगरीय निकाय चुनाव के पहले स्थानीय रहवासी ने वहां

काम करने वाले मजदूरों के लिए पृथक से शौचालय बनाने की मांग की थी। विधिवध हस्ताक्षरित आवेदन तत्कालीन निगम आयुक्त को सौंपा था। इसके बाद निगम प्रशासन ने वहां के रहवासियों की मदद से स्थल चयन कर कार्य शुरू कराया था, लेकिन चुनाव के बाद स्थानीय पार्षद व कुछ नागरिक आयुक्त से स्थल चयन को लेकर शिकायत की थी कि निगम शौचालय को अन्य स्थान पर शिफ्ट करे। एचएससीएल कॉलोनी रूआबांधा निवासी ठेकेदार मुकेश सिंह ने पुलिस थाना में लिखित शिकायत करते बताया कि रोज की तरह 3 फरवरी को शाम तक कार्य कर वे घर लौट गए थे। सज्जा लेवल तक कार्य पूर्ण हो गया था। 4 फरवरी की सुबह खुलासा हुआ कि दिवार को ढहा दिया गया है।

5 लाख का कार्य स्वीकृत

नगर पालिक निगम रिसाली के अधोसंरचना मद से कार्य स्वीकृत किया गया है। लागत राशि 5 लाख है। इस राशि से कामकाजी (श्रमिक) महिलाओं व पुरूषों के लिए अलग-अलग 2-2 शीटर शौचालय निर्माण करना है।

मल्टी-यूटिलिटी सेंटर ने खोला स्वरोजगार का द्वार, व्यवसाय की ओर बढ़ाए कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। स्वरोजगार के लिए अच्छा माहौल और उपयुक्त स्थान पाकर सुदूर कोरिया जिले के आदिवासी बहुल चिरमी गांव की महिलाओं ने अपना खुद का व्यवसाय शुरू किया है।

मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) और डीएमएफ (जिला खनिज न्यास निधि) के अभिसरण से बने मल्टी-यूटिलिटी सेंटर में वहां की गंगा माई स्वसहायता समूह की 12 महिलाएं खुद का उद्यम स्थापित कर फेंसिंग पोल बनाने का काम कर रही हैं। खेतों और मनरेगा कार्यों में मजदूरी करने वाली इन महिलाओं को अकुशल श्रम से स्वरोजगार की ओर कदम बढ़ाते देखकर गांव की बांकी महिलाएं भी प्रेरित हो रही हैं। इनके काम शुरू करने के बाद से गांव में 12 स्वसहायता समूह गठित हो चुके हैं। मनरेगा और डीएमएफ के अभिसरण से 12 लाख 15 हजार रूपए की लागत से वर्क-शेड के रूप में तैयार मल्टी-यूटिलिटी सेंटर में चिरमी की गंगा माई स्वसहायता समूह की महिलाएं फेंसिंग पोल बनाकर खड़गंवा विकासखण्ड के कई गांवों में आपूर्ति कर रही हैं। इनके द्वारा निर्मित 300 से अधिक पोल्स (च्वसमे) की बिक्री अब तक की जा चुकी है।

संभागायुक्त महादेव कावरे ने जिले के धान उपार्जन केन्द्र अरमरीकला का किया आकस्मिक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

किसान का सम्मान कर, व्यवस्थाओं की ली जानकारी

बालोद। संभागायुक्त दुर्ग संभाग महादेव कावरे ने विगत दिनों जिले के गुरूर तहसील के धान उर्पाजन केन्द्र अरमरीकला का औचक निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने धान उपार्जन केन्द्र में धान विक्रय हेतु पहुँचे किसानों से चर्चा की। किसानों ने संभागायुक्त को बताया कि उपार्जन केन्द्र में की गई व्यवस्थाओं से वे संतुष्ट हैं।

संभागायुक्त श्री कावरे ने उपार्जन केन्द्र में उपस्थित किसान श्री थान सिंह पटेल को माला पहनाकर उन्हें सम्मानित किया तथा उनके द्वारा बेचे गए धान की मात्रा व धान विक्रय से प्राप्त भुगतान के संबंध में जानकारी

ली। संभागायुक्त ने जिले में अब तक की गई धान खरीदी व धान के उठाव की जानकारी उपस्थित नोडल अधिकारी से ली। जिले के धान खरीदी के नोडल अधिकारी श्री अभिषेक दीवान ने बताया कि धान खरीदी का कार्य अंतिम चरण पर है। जिले में कुल 5.18 मि.टन धान की खरीदी की गई है एवं 3.50 मि.टन धान का उठाव कर लिया गया है। संभागायुक्त श्री कावरे ने धान उठाव में प्रगति लाने 15 मार्च तक उठाव की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

गौठान में चारागाह की हो पूर्ण व्यवस्था:- संभागायुक्त कावरे ने ग्राम पंचायत अरमरीकला में गौकंचन आदर्श गौठान का भी निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने गौठान के चारागाह में लगभग 03 एकड़ में उज्वला महिला स्वसहायता समूह एवं बिहान महिला स्वसहायता समूह द्वारा संचालित बाड़ी विकास के कार्य का अवलोकन किया। उन्होने बाड़ी से उत्पादित सब्जियों के विक्रय से होने वाली आय के संबंध में जानकारी ली। समूह की सदस्य नेमा यादव, मेनका साहू ने बताया कि सब्जी विक्रय से प्रति सदस्य उन्हें लगभग 05 से 06 हजार रू. आय प्राप्त होता है। संभागायुक्त ने वहाँ जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ रेणुका श्रीवास्तव को गौठान में अन्य मल्टी एक्टिविटी कार्य जैसे दीया निर्माण, गौ-काष्ठ निर्माण, मशरूम उत्पादन कार्य भी शामिल किए जाने के निर्देश दिए।

आयुक्त श्री कावरे ने गौठान में आरती महिला स्वसहायता समूह द्वारा किए जा रहे सेनेटरी पैड निर्माण कार्य का अवलोकन किया एवं समिति के अध्यक्ष श्रीमती चुनेश्वरी यादव से निर्माण की प्रक्रिया व समिति को होने वाली आय के संबंध में चर्चा की। उन्होंने गायत्री महिला स्वसहायता समूह द्वारा किए जा रहे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्य एवं आचार, दाल, बड़ी कार्य का अवलोकन किया। समूह द्वारा इस कार्य से 6500 रूपए प्रति सदस्य मासिक आय होने की जानकारी दी गई।

ब्रह्माकुमारीज नगरी में वसंत पंचमी महोत्सव मनाया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

नगरी। आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के अंतर्गत ब्रह्मा कुमारीज नगरी में बसंत पंचमी महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गयाद्य इस कार्यक्रम के अतिथि श्रीमती ललिता साहू पार्षद श्रीमती महेश्वरी साहू अध्यक्ष ब्लॉक महिला प्रकोष्ठ नगरी श्रीमती कुलेश्वरी ध्रुव श्रीमती नीलकमल ठाकुर व्याख्याता श्रीमती फुलेश्वरी साहू श्रीमती झरना साहू एवं बड़ी संख्या में बहने एवं भाई उपस्थित रहे कार्यक्रम का आगाज ब्रह्माकुमार पितांबर भाई ने सुमधुर गीत गाकर किया तत्पश्चात ब्रह्माकुमारी बी यदु बहन एवं नागेश बहन ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की इस कार्यक्रम में अपने दिव्य उद्बोधन में राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी माधुरी दीदी जी ने बसंत पंचमी पर्व के आध्यात्मिक रहस्य को बताते हुए कहा कि माघ मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को देवी सरस्वती का अवतरण हुआ था इस दिन को ज्ञान की देवी सरस्वती और धन की देवी लक्ष्मी का जन्म दिवस भी माना जाता है इस पंचमी को बसंत पंचमी कहा जाता है क्योंकि वसंत पंचमी के दिन ही वसंत ऋतु का आगमन होता है।

ब्रह्मांड के संस्थापक ब्रह्मा जी ने जीवो और मनुष्यों की रचना की और जब श्री सृष्टि को देखा इसमें कोई आवाज वाणी नहीं थी भगवान विष्णु के आदेशानुसार ब्रह्मा जी अपने कमंडल से पृथ्वी पर जल छिड़का जिसमें अद्भुत शक्ति रुपी ज्ञान की देवी सरस्वती प्रकट हुई मां शारदे की एक हाथ में वीणा जो ज्ञान सुनाने का प्रतीक है और दूसरे हाथ में वेद जो ज्ञान का भंडार के प्रतीक हैं मां शारदे को श्वेत वस्त्र दिखाते हैं जो स्वच्छता व शांति का प्रतीक है वाहन हंस है जिसकी विशेषता है कि वह कंकड़ पत्थर छोड़ ज्ञान रूपी मोती जुगता है तथा व्यर्थ को अलग कर देता है इसी प्रकार आध्यात्मिक प्रज्ञा से भरपूर मनुष्य की बुद्धि भी तीक्ष्ण हो जाती है और हाथों में माला निरंतर परमात्मा स्मृति का प्रतीक है निरंतर ईश्वर की याद से मां सरस्वती का वरदान मिलता है इसी प्रकार मां शारदे की वर मुद्रा समभाव रखने का प्रतीक है इसी क्रम श्रीमती नीलकमल ठाकुर जी ने बसंत पंचमी पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि बसंत पंचमी पर प्रकृति हरी भरी रहती है और भगवान महाकाल भी आनंदित होकर भक्तों पर कृपा बरसाते हैं।

अधिकार सम्पन्न मंत्रिमण्डल समिति की बैठक संपन्न

रायपुर। प्रदेश में विभिन्न विभागों, निगम, मण्डलों, कम्पनियों और बोर्ड के अधीन स्वामित्व की अनुपयोगी शासकीय भूमि के व्यवस्थित विकास एवं सदुपयोग के संबंध में अधिकार सम्पन्न मंत्रिमण्डल समिति की बैठक आयोजित की गई है। यह बैठक लोक निर्माण मंत्री ताम्रध्वज साहू के निवास कार्यालय में अपरान्ह 12.30 बजे होगी। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा उपरोक्त अनुपयोगी शासकीय भूमि के व्यवस्थित विकास एवं उपयोग एवं सदुपयोग के लिए मंत्रिगणों की एक अधिकार सम्पन्न समिति का गठन किया गया है। समिति में लोक निर्माण मंत्री, आवास एवं पर्यावरण मंत्री और नगरीय प्रशासन मंत्री शामिल हैं।

MENS Clothing
A COMPLETE MEN'S FASHION STORE
Shahrukh Quraisy
8818880051
Infront Of National Steel,
Maharaja Chowk, Durg (C.G.) 491001
E-mail.:- shahrukhquraishy786@gmail.com

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

Jeans, Trousers, Shirts, T-shirts, Top, Legis, Suits & All Types of Mens & Ledies Wears
Rock Star
Girls & Mens Wear
Kishan Ahuja
9300628876
Maharja Chowk, opp. Oriental Bank, Borsi,Road, Durg (C.G.)

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS XITH XIITH B.COM CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

खास खबर

रायपुर जिले में लक्ष्य के करीब पहुंची धान खरीदी, प्रदेश में खरीदी का आज अंतिम दिन

रायपुर (ए)। प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का सोमवार को अंतिम दिन है। इस साल शासन ने रिकार्ड धान खरीदी का लक्ष्य रखा है। उसके मुताबिक खरीदी हो रही है। रायपुर जिले में इस साल धान बेचने के लिए एक लाख 28 हजार किसानों ने पंजीयन कराया था। धान खरीदने का लक्ष्य पांच लाख 30 हजार मीट्रिक टन था। इसमें अभी तक एक लाख 22 हजार किसान धान बेच चुके, जबकि कुल खरीदी अभी पांच लाख सात हजार 996 मीट्रिक टन हुई है, जो लक्ष्य के करीब है।

खाद्य नियंत्रक तरुण राठौर ने बताया कि रायपुर जिले में सोमवार को पूरी तरह से धान तौलाई आदि पूरी कर ली जाएगी। इसके लिए पूरी व्यवस्था पूरी की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि खरीदी के बाद सोसाइटियों में केवल उठाव करना बाकी रह जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस साल बेमौसम बारिश की वजह से शासन ने एक सप्ताह आगे धान खरीदी की तारीख बढ़ाई है। पहले 31 जनवरी तक धान खरीदी की जानी थी। बताया जा रहा है कि रायपुर जिले में पिछले साल से अधिक धान खरीदी हुई है। वहीं ज्यादातर किसान जनवरी माह में ही धान बेच चुके थे। इसे देखते हुए फिलहाल जिलों में जितना टोकन बांटा गया है, उन किसानों के धान की खरीदी सोमवार को की जाएगी।

बेमौसम बारिश से किसान हुए परेशान

प्रदेश में बेमौसम बारिश होने के कारण किसान पूरे सीजन परेशान नजर आए। शुरुआत में धान कटाई के समय दो से तीन बारिश हो गई। इसका प्रभाव धान कटाई पर पड़ा। कुछ ही दिनों के बाद फिर बारिश हो गई, जो धान की कटाई कर चुके किसानों के लिए आफत बनकर आई। घर, कोठार, खेत में रखे धान भीग गए। वहीं जनवरी माह बारिश से सोसाइटियों में रखा धान भीगा ही, किसानों को भी फिर से आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

कोरोना काल में भी जारी रही उच्च शिक्षा, लिए गए 2 लाख 67 हजार से भी ज्यादा ऑनलाईन क्लॉसेस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की तीन वर्ष की उपलब्धियों पर साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित विकास प्रदर्शनी को देखने आने वालों का उत्साह देखते ही बनता था। यहां पर सरकारी विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल में शासकीय योजनाओं की जानकारी के अलावा जैविक उत्पाद व हस्तनिर्मित वस्तुओं की खरीददारी और पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेने लोग पहुंच रहे थे।

प्रदर्शनी में उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा किए गए अर्जित उपलब्धियों एवं प्रयासों को दर्शाया गया है। कोरोनाकॉल के दौरान पढ़ाई बाधा न बने इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश पर 2 लाख 67 हजार 500 से भी ज्यादा ऑनलाईन क्लॉसेस लिए गए हैं। उच्च शिक्षा संस्थानों में सकल नामांकन अनुपात को बढ़ाने, समान रूप से सभी वर्गों को लाभान्वित करने, रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करना एवं गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य के साथ गठित राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) के द्वारा तीन वर्षों में 421 करोड़ रूपए का अनुदान दिया गया है। स्टॉल में कॉलेजों के द्वारा किए जा रहे नवाचारों को भी दिखाया गया है। सीवी रमन विश्वविद्यालय के छात्रों के द्वारा वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के प्रारूप का प्रदर्शन किया गया था। विश्वविद्यालय के सिविल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर त्रिलोकी साहू ने बताया कि यह काफी उपयोगी है इसके जरिए गंदे पानी को साफकिया जा सकता है। खैरागढ़ के इंदिरा गांधी संगीत विश्वविद्यालय के छात्रों ने अपनी चित्रकारी कला के बदौलत काफी सुर्खिया बटोरी। छात्रों द्वारा यहां पर लोगों का उनका चित्र बना कर दिखाया जा रहा था। इसके अलावा यहां पर मूर्तिकला निर्माण का भी प्रदर्शन किया गया था। स्टॉल में आए गोमेंन्द्र ठाकुर, दीपक सोनी, लक्ष्मीकांत ठाकुर एवं सुश्री अनिता एवं अन्य विद्यार्थियों ने बताया कि यहां पर कैरियर कोर्सेस के बारे में मिली जानकारी को वे अपने परिचितों एवं दोस्तों को भी शेयर करेंगे।

उच्च शिक्षा विभाग के स्टॉल पर विश्वविद्यालय, कॉलेजों व इससे सबद्ध कोर्सेस की जानकरी लेने पहुंचते रहे लोग

प्रदर्शनी में उच्च शिक्षा विभाग के स्टॉल पर विश्वविद्यालय और इससे संबद्ध कॉलेजों एवं पाठ्यक्रमों की जानकारी लेने के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। यहां पर विश्वविद्यालयों में संचालित एनएसएस एवं खेल से जुड़ी गतिविधियों एवं इनके उपलब्धियों के बारे में भी जानकारी दी जा रही थी। इच्छुक विद्यार्थी एवं पालकगण व्यवसायिक, गैर-व्यवयायिक शिक्षा एवं नवीन पाठ्यक्रमों की जानकारी लेने यहां पहुंचते रहे।

रायपुर में छह जेनरिक दवा दुकान से लोगों को सस्ती मिल रही 20 ब्रांडेड कंपनियों की दवा

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की श्री धन्वंतरि जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना के तहत रायपुर नगर निगम क्षेत्र अंर्तगत छह दवा दुकान खोले गए है। इन दवा दुकानों का लाभ रोज हजारों लोग उठा रहे है। 62 से 72 फीसद छूट पर 20 ब्रांडेड कंपनियों की दवा मिलने से लोगों के पैसे भी बच रहे है।

शहर में फिलहाल छह स्थानों नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम परिसर, अमलीडीह, भाठागांव अंतर राज्यीय बस टर्मिनल परिसर,मेकाहारा परिसर के सामने, केनाल लींकिंग रोड राजातालाब और शासकीय आयुर्वेदिक कालेज परिसर में श्री धन्वंतरि जेनेरिक मेडिकल स्टोर का संचालन किया जा रहा है। इनमें से अंतर राज्यीय बस टर्मिनल परिसर भाठागांव, आंबेडकर अस्पताल परिसर के सामने, केनाल लींकिंग रोड राजातालाब और शासकीय आयुर्वेदिक कालेज परिसर में संचालित किये जा रहे श्री धन्वंतरि जेनेरिक मेडिकल स्टोर में लोगों को 72 फीसद की भारी छूट के साथ विभिन्न 20 ब्रांडेड कंपनियों की दवाइयां सहजता से उपलब्ध करवाई जा रही हैं, वहीं नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम परिसर, अमलीडीह में संचालित श्री धन्वंतरि जेनेरिक मेडिकल स्टोर में कोई भी 62 फीसद छूट के साथ दवाइयां खरीद सकता है।

मास्क बांटकर किया जागरूक

रायपुर में कोरोना महामारी के दौर में हमेशा नाक, मुंह को मास्क से ढककर रखने के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया। जिनके पास मास्क नहीं था, उनको मास्क का वितरण किया गया। छत्तीसगढ़ हेल्प वेलफेयर सोसाइटी ने तेलीबांधा तालाब, मरीन ड्राइव में मास्क जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान में इंद्रजीत पटेल, सौरभ श्रीवास्तव, नोमेश वर्मा, घनश्याम सोनवानी, मनीषा साहू, गुंजन, श्रेष्ठ राय, आर्या दुबे, अनन्या, अन्नापूर्णा, खुशबू, सहज, वैभव, रवि रेड्डी ने सहयोग किया।

छत्तीसगढ़ में उपभोक्ता आयोग के कई जिलों में अध्यक्ष और सदस्य के पद रिक्त, आठ महीने से काम ठप

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ के कई जिलों में उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष और सदस्य के पद रिक्त होने के कारण उपभोक्ताओं की शिकायतों का निराकरण नहीं हो पा रहा है। राज्य के राजनांदगांव, सरगुजा, महासमुंद, धमतरी, बिलासपुर, दुर्ग, कोरिया, जगदलपुर, बेमेतरा, बलरामपुर, बीजापुर, बस्तर, बालोद, सुकमा व बलौदाबाजार जिले में फरवरी-मार्च 2021 से अध्यक्ष और सदस्य का पद रिक्त हैं और वहां आठ महीने से काम बंद है। छह जिले ऐसे है जहां पर अध्यक्ष तक की नियुक्ति नहीं हो पाई है। जब कोई उपभोक्ता किसी दुकानदार अथवा निजी और सरकारी एजेंसियों से ठगा जाता है तो न्याय के लिए जिला उपभोक्ता फोरम का दरवाजा खटखटाता है,परंतु सूबे के पंद्रह से अधिक जिलों में जिला आयोग के अध्यक्ष व सदस्य के पद रिक्त होने के कारण उपभोक्ता हितों की रक्षा करने बनाए गए नए कानून के बाद उपभोक्ताओं की शिकायतों का निराकरण नहीं होने से उनकी परेशानी बढ़ रही है। नतीजा हजारों की संख्या में लंबित पुराने प्रकरणो के साथ ही नई शिकायतों की सुनवाई नही हो पा रही है। उपभोक्ता अधिनियम के अनुसार किसी भी तरह के निर्णय लेने के लिए दो सदस्य में से एक सदस्य और अध्यक्ष का होना आवश्यक है, नियमानुसार पद रिक्त होने की तिथि से छह माह पूर्व से ही नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ हो जानी चाहिए थी,परंतु किन्ही कारणों से नियुक्ति प्रक्रिया समयानुसार प्रारंभ नहीं हुई बल्कि जब पद रिक्त हो गए तो उसे भरने के लिए प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

नरवा विकास से कुंओं और हैण्ड पम्प का सुधरता जल स्तर

सिंचाई की सुविधा मिलने से किसान लेने लगे दोहरी फसल

कुंओं के जल स्तर में 0.20 मीटर से लेकर 1.60 मीटर की वृद्धि

उपचारित नालों में अब कमोबेश पूरे साल रहता है पानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी यानी सुराजी गांव योजना का असर अब दिखाई देने लगा है। सुराजी गांव योजना के चार महत्वपूर्ण घटकों में से एक नरवा विकास से ग्रामीण अंचल में भू-जल स्तर की स्थिति सुधर रही है। मृतप्राय: नरवा (नाले) अब फिर से जीवित हो उठे हैं। उपचारित नालों में अब कमोबेश सालभर पानी रहने लगा है। इसका लाभ नाले के किनारे के किसान उठाकर अब दोहरी फसलों का उत्पादन करने लगे हैं।

छत्तीसगढ़ में नरवा विकास का यह कार्यक्रम लगभग 3 साल पहले शुरू किया गया था। अब तक राज्य में 2477 नालों का उपचार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा वन विभाग के माध्यम से कराया जा रहा है। इन बरसाती नालों में पानी की रोकथाम के लिए लगभग 614 करोड़ रूपए के उपचार कार्य कराए गए हैं, जिसमें स्टापडेम, अरदन बोल्डर चेक, गली प्लग, ब्रश हुड जैसी संरचनाओं का निर्माण शामिल हैं। इससे उपचारित नालों में अब कमोबेश अप्रैल-मई तक जल भराव बना रहता है। इसका फायदा यह हुआ है कि उपचारित नालों के आसपास के गांवों के कुंओं-हैण्ड पम्प के जल स्तर में आशातीत वृद्धि हुई है। गर्मी का मौसम शुरू होते ही प्राय: कुंओं और हैण्ड पम्प के जल स्तर में गिरावट की स्थिति अब न सिर्फ थम सी गई है, बल्कि उसमें वृद्धि भी देखने को मिल रही है।

राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में उपचारित नालों के क्षेत्रों में कुंओं के जल स्तर के सर्वेक्षण रिपोर्ट से यह बात स्पष्ट रूप से सामने आई है कि कुंओं के जल स्तर में 0.20 मीटर से लेकर 1.60 मीटर तक की बढ़ोत्तरी हुई है। बेमेतरा जिले के नवागढ़ इलाके में स्थित हलफली नरवा के उपचार से उदे प्रधानी के कुंए में जल स्तर जून 2019 में 4.60 मीटर में था, जो हलफली नाले में हुए उपचार के बाद जून 2020 की स्थिति में 3 मीटर पर आ गया है। इसी तरह मनेन्द्रगढ़ स्थित चिरकोली नाला, कोण्डागांव स्थित चाऊरबाहर नाला, नरहरपुर स्थित झुरा नाला, भानुप्रतापपुर के बुदन नाला जैसे सैकड़ों नालों के उपचार के बाद उस इलाके के कुंओं और हैण्ड पम्प के जल स्तर में 0.20 मीटर से लेकर 1.60 मीटर तक बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है।

राज्य में उपचारित नालों के इलाके की मिट्टी में नमी की मात्रा भी बढ़ी है। कांकेर के मांदरी नाला के उपचार के बाद उस इलाकें की मिट्टी में नमी का प्रतिशत 2.90 बढ़ा है। नहरपुर नाला के क्षेत्र में 2.85 प्रतिशत तथा बुदन नाला क्षेत्र की मिट्टी में नमी 1.90 प्रतिशत बढ़ी है। मुंगेली जिले के पथरगड़ी की बात करें, तो वहां के नरवा योजना के तहत बने चेकडेम से नाले का जल स्तर 10 फीट बढ़ गया है। इसका लाभ उठाकर किसान दोहरी फसल उपजाने लगे हैं। राज्य के कबीरधाम जिले में औसत रूप से कम बारिश होती है। अमूमन गर्मी के दिनों में कबीरधाम जिले के ग्रामीण अंचल में निस्तार एवं पेयजल की समस्या बनी रहती है। नरवा विकास कार्यक्रम से अब वहां हालात बदलने लगे हैं। नरवा विकास कार्यक्रम के तहत कबीरधाम जिले में महीडबरा जलाशय से 1.80 किलोमीटर नहर का निर्माण कराए जाने से किसानों को सिंचाई सुविधा मिलने लगी है, जिससे किसान अब कोदो, कुटकी के स्थान पर धान और अरहर की खेती करने लगे हैं।

मुंगेली जिले के रमतला गांव के किसान विश्वनाथ वर्मा कहते है कि बारिश के मौसम में बोर से पानी भरपूर मिलता था, लेकिन गर्मी के मौसम में पानी बहुत कम आता था और खेती करने में काफी समस्या होती थी। पानी की कमी की वजह से टमाटर उत्पादन भी कम होता था, खेत में डबरी निर्माण से अब सारी समस्या दूर हो गई है। गर्मी के मौसम में डबरी में उपलब्ध पानी से टमाटर की खेती करते है।

वेलेंटाइन वीकः रायपुर के प्रमुख बाजारों में प्रेमी जोड़ों के लिए सजी गिफ्ट की दुकानें

रायपुर (ए)। वेलेंटाइन वीक की शुरूआत सोमवार से हो रही है। इसके साथ ही रायपुर के बाजारों में प्रेमी जोड़ों के गिफ्ट भी सज गए हैं। वैसे 14 फरवरी को वेलेंटाइन डे मनाया जाता है पर सात फरवरी को पहला दिन रोज डे से शुरू होगा। इसलिए फूलों का बाजार गर्म हो सकता है। पहले दिन गुलाब फूल के साथ अन्य फूलों के बुके भी प्रेमी जोड़े एक-दूसरे को भेंट करते हैं।

इसके अलावा दोस्त भी एक-दूसरे को फूलों का गुलदस्ता थमा देते हैं। शहर के प्रमुख बाजारों में सदर बाजार, मालवीय रोड, जयस्तंभ स्थित रविभवन में मोबाइल के बाजार में सबसे ज्यादा गहमा-गहमी रहेगा। यहां गिफ्ट सेंटर्स में खरीदारी करने के लिए भीड़ हो सकती है। मार्केट में इलेक्ट्रानिक म्यूजिकल ग्रीटिग कार्ड, टेडी, गुलाब के फूल, गुलदस्ते, कपल्स, चाकलेट, कपल रिग, ब्रेस्लेट, चेन पेंडेंट, फोटो फ्रेम, ब्लूटुथ स्पीकर, मग, टेडी बीयर आदि मुख्य आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

केवल प्रेमी-प्रेमियों के लिए दूसरे रिश्तों को भी कराएं अहसास

जानकारों का कहना है कि वेलेंटाइन वीक में यह कोई जरुरी नहीं कि इसमें केवल प्रेमी-प्रेमियों के प्यार को जताने का अवसर है। आज का दिन तो प्रेम को दर्शाने के लिए होता है और प्रेम सबके बीच होता है एक मां का उसके बच्चे के प्रति, एक दोस्त का दोस्त के लिए या पति का अपनी पत्नी के लिए।

आज के दिन आप जिससे भी प्यार करते हैं या उसके प्यार के लिए उसे धन्यवाद देना चाहते हैं तो उसे अपना वैलेंटाइन बनाइए, गुलाब दीजिए और उसके प्यार के लिए धन्यवाद कह सकते हैं। वैलेंटाइन वसंत के महीने में आता है। पहले दिन प्रेमी, दोस्त एक-दूसरे को गुलाब देकर अपनी भावनाओं का इजहार करते हैं। इस तरह वैलेंटाइन का क्रेज भारत में भी अब बढ़-चढ़ कर बोलता है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान

कमर में रहता हो दर्द या बढ़ गया हो शरीर का फैट, चेयर पोज का अभ्यास है बेहद फायदेमंद

कई तरह की शारीरिक समस्याओं में योगासनों के अभ्यास को बेहद लाभदायक माना जाता है। जीवनशैली की गड़बड़ आदतों जैसे लंबे समय तक बैठे रहने, शारीरिक निष्क्रियता में कमी आदि के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर कई तरह से नकारात्मक असर देखा जा रहा है। यही कारण है कि ज्यादातर लोगों को कम उम्र में ही कमर में दर्द, शरीर के फैट बढ़ने, मोटापा, डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियां घेर लेती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मानें तो जीवनशैली में योगासनों को शामिल करके इस तरह की दिक्कतों को आसानी से कम किया जा सकता है। योग विशेषज्ञों के मुताबिक चेयर पोज या उत्कटासन योग का अभ्यास करना कमर दर्द से लेकर शरीर से फैट को कम करने तक में विशेष लाभदायक हो सकता है। इतना ही नहीं यह योग जांघों, ग्लूट्स और कूल्हे की जोड़ों को भी स्वस्थ बनाए रखने में सहायक हो सकता है। चेयर पोज का नियमित अभ्यास शरीर के बेहतर संतुलन और निचले अंगों में रक्त के संचार को बढ़ावा देने में भी फायदेमंद माना जाता है। आइए इसके अभ्यास से होने वाले फायदों के बारे में जानते हैं। कैसे करें चेयर पोज का अभ्यास?

चेयर पोज कुर्सी पर बैठने की काल्पनिक मुद्रा है, जिसके कई तरह के लाभ हो सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं। गहरी सांस लेते हुए अपने हाथों को उपर ले जाएं। अब शरीर को धीरे-धीरे बैठने की मुद्रा में ले आएं, जैसे की आप कुर्सी पर बैठते हैं। इस स्थिति में कुछ सेकेंड्स के लिए रुकें और फिर प्रारंभिक स्थिति में आ जाएं। रोजाना 5-10 मिनट तक इस योग का अभ्यास किया जा सकता है।

चेयर पोज योग से क्या लाभ हैं?

योग विशेषज्ञों के मुताबिक यदि चेयर पोज का रोजाना सही तरीके से अभ्यास किया जाए तो शरीर को इससे कई तरह के लाभ मिल सकते हैं।

- कंधे, कूल्हों, घुटनों और टखनों जैसे प्रमुख जोड़ों की सहायक मांसपेशियों को मजबूत करने में सहायक।
- कोर स्ट्रेंथ को विकसित करने वाला योग।
- क्वाड्स और ग्लूटियल्स को मजबूत करता है।
- शरीर की स्थिरता को बढ़ाकर घुटने के जोड़ को मजबूती देने में मदद करता है।
- कंधे और छाती की मांसपेशियों को खोलने में सहायक योग।
- सांस लेने में सुधार करता है।

इन लोगों को नहीं करना चाहिए यह योग

योग अभ्यास शुरू करने से पहले प्रशिक्षिक से सलाह लेना और आसन के तरीकों के बारे में जानना आवश्यक होता है। चेयर पोज का अभ्यास वैसे तो सभी लोगों के लिए फायदेमंद होता है पर कुछ स्थितियों में इस योग के अभ्यास को न करने की सलाह दी जाती है।

- घुटने की समस्या वाले लोगों को दीवार का सहारा लेकर यह अभ्यास करना चाहिए।
- पीठ की गंभीर समस्या में इस योग के अभ्यास से पहले डॉक्टर से सलाह ले लें।
- हाल ही अगर टखनों या कूल्हे की सर्जरी हुई है तो भी इस योग का अभ्यास नहीं करना चाहिए।

पेट से लेकर डायबिटीज तक की समस्या होगी दूर, नाश्ते में इन अनाजों को जरूर करें शामिल

शरीर के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए तीन समय पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी जाती है। इसमें भी सुबह के नाश्ते को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। असल में रात के करीब 7-8 घंटे पेट खाली होता है, ऐसे में शरीर को पर्याप्त ऊर्जा के लिए नाश्ते में पोषक तत्वों से भरपूर आहार की आवश्यकता होती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक नाश्ते में अगर मोटे अनाजों से तैयार आहार को शामिल किया जाए तो न सिर्फयह शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की आसानी से पूर्ति कर सकता है, साथ ही इसमें मौजद गुण कई प्रकार के रोगों के खतरे को कम करने में भी सहायक माने जाते हैं।

अध्ययनों से पता चलता है कि जौ, रागी, बाजरा, गेंहू और ज्वार जैसे आहार कई तरह के पोषक तत्वों का समृद्ध स्रोत माने जाते हैं। इनका सेवन करना पेट से लेकर डायबिटीज तक की समस्याओं को ठीक करने में सहायक हो सकता है। डायबिटीज रोगियों के लिए इन अनाजों से बने आहार का सेवन अत्यंत फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि इन अनाजों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। इसके अलावा इसमें मौजूद फाइबर की मात्रा पेट को स्वस्थ बनाए रखने में सहायक होता है। आइए जानते हैं कि इन अनाजों को नाश्ते में शामिल करके आप किस तरह से लाभ प्राप्त कर सकते हैं?

जौ का सेवन

प्राचीन समय से ही देश में जौ से बनी रोटी और अन्य चीजों का सेवन किया जाता रहा है। जौ में हाई फाइबर की मात्रा पाई जाती है, जो पाचन को ठीक रखने के साथ ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखने में मददगार साबित हो सकती है। अध्ययनों से पता चलता है कि इस अनाज में कई तरह के विटामिन्स और एंटीऑक्सीडेंट भी मौजूद होते हैं जिससे शरीर को कई तरह से लाभ मिल सकता है। नाश्ते में जौ की रोटी या दलिया खाया जा सकता है।

कई पोषक तत्वों से भरपूर है ज्वार

अध्ययनों में ज्वार के सेवन को सेहत के लिए विशेष लाभदायक बताया गया है। पाचन की समस्याओं से परेशान लोगों के लिए यह अनाज काफी लाभकारी हो सकता है, क्योंकि इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है। फाइबर पाचन को दुरुस्त बनाए रखने के साथ कब्ज की समस्या को दूर करने में मदद करती है। ज्वार को पोटेशियम, फॉस्फोरस और कैल्शियम से भी भरपूर माना जाता है जोकि हड्डियों की सेहत को बेहतर बनाए रखने के लिए आवश्यक है। नाश्ते में ज्वार की रोटी का सेवन किया जा सकता है।

डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद है बाजरा

डायबिटीज की समस्या के शिकार लोगों के लिए बाजरा सबसे फायदेमंद अनाजों में से एक हो सकता है। बाजरा का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है ऐसे में यह शुगर के मरीजों के लिए अच्छा नाश्ता हो सकता है। इसके अलावा इस अनाज में भी फाइबर की अच्छी मात्रा पाई जाती है जो इसे पेट के लिए काफी फायदेमंद बनाती है। बाजरे की खिचड़ी के नियमित सेवन से ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

कमजोरी की समस्या दूर करेगी रागी

शरीर में कमजोरी की समस्या से परेशान लोगों के लिए रागी से बने आहार का सेवन करना लाभदायक हो सकता है। रागी को आयरन का अच्छा स्रोत माना जाता है जो शरीर में खून की मात्रा बढ़ाती है जिससे ऊर्जा का स्तर बेहतर बना रहता है। पेट के लिए भी इस अनाज को काफी फायदेमंद माना जाता है, कारण- इसमें मौजूद फाइबर की मात्रा। नाश्त में रागी का हलवा खाना आपके लिए लाभदायक हो सकता है।

शाहरुख खान की बेटी सुहाना को क्या जोया अख्तर करने वाली हैं बॉलीवुड में लॉन्च?

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान ने भले ही अभी बॉलीवुड डेब्यू नहीं किया है, लेकिन उनकी फैन फॉलोइंग किसी एक्ट्रेस से कम नहीं है. काफी समय से सुहाना के बॉलीवुड डेब्यू की खबरें आ रही हैं. इसी बीच वह हाल ही में डायरेक्टर जोया अख्तर के ऑफिस में भी स्पॉट की गईं जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं. इन फोटोज के वायरल होने के बाद ये कयास लगाए जा रहे थे कि क्या वह जोया अख्तर की फिल्म से वह बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं. अब इस पर एक खबर आई है. बॉलीवुड लाइफ की रिपोर्ट के मुताबिक जोया अख्तर आर्ची कॉमिक्स पर एक फिल्म बना रही हैं जिसमें सुहाना के अलावा श्रीदेवी और बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर और अमिताभ बच्चन के नाती आगस्तया नंदा को भी लॉन्च किया जा सकता है. अब ये खबर कितनी सच है इसका खुलासा तो आने वाले दिनों में ही पता चलेगा. वैसे बता दें कि सुहाना ने न्यूयॉर्क में अपनी एक्टिंग की पढ़ाई की है. वह पिछले साल ही न्यूयॉर्क से वापस भारत आई हैं. न्यूयॉर्क से वापस आने से वह काफी दुखी थीं. बता दें कि न्यूयॉर्क में रहते हुए सुहाना ने कई एक्टिंग वीडियोज में काम किया है. वह कई शॉर्ट फिल्म्स में काम कर चुकी हैं और उनकी एक्टिंग

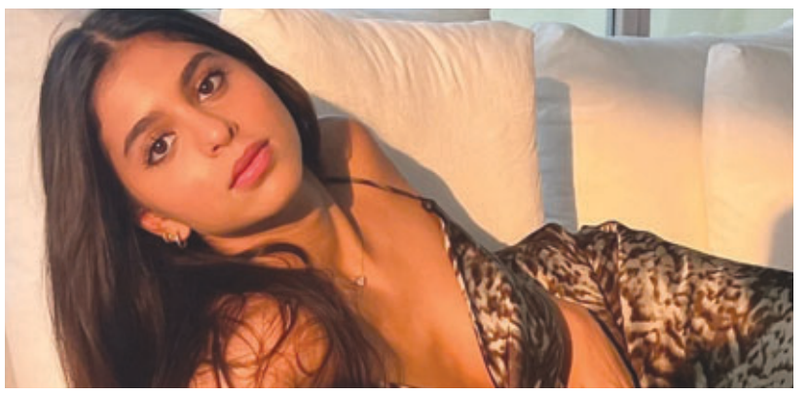

के कई वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं और सभी ने उनकी तारीफ की है.

शाहरुख ने बताया था सुहाना को एक्टिंग में इंट्रेस्ट

शाहरुख खान ने एक इंटरव्यू में बताया था कि सुहाना को एक्टिंग पसंद है और वह बॉलीवुड में काम करना चाहती हैं. लेकिन उससे पहले वह अपनी पढ़ाई पूरी करेंगी. शाहरुख ने कहा था कि जो भी उनकी बेटी डिसाइड करेंगी अपने करियर में वह हमेशा उनका सपोर्ट करेंगे. बता दें कि सुहाना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी ग्लैमरस और बोल्ड फोटोज शेयर करती रहती हैं. इंस्टाग्राम पर सुहाना के 2.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं. सुहाना की बेस्टफ्रेंड्स हैं अनन्या पांडे और शनाया कपूर. तीनों एक-दूसरे के साथ सोशल मीडिया पर फोटोज शेयर करती रहती हैं. अनन्या तो फिलहाल बॉलीवुड फिल्मों में काम कर रही हैं, लेकिन अब वह अपनी दोनों दोस्त सुहाना और शनाया का इंडस्ट्री में इंतजार कर रही हैं. बता दें कि पिछले साल ये खबर आई थी कि करण जौहर, शनाया कपूर को फिल्मों में लॉन्च करेंगे. तो मतलब बॉलीवुड में जल्द इन तीनों की तिगड़ी धमाल मचाने वाली हैं.

भाजपा में शामिल होंगी माही गिल

बीते साल किया था कांग्रेस के लिए प्रचार

पंजाब की सभी 117 सीटों पर 20 फरवरी को मतदान होगा। वोटों की गिनती 10 मार्च को की जाएगी। इस बीच खबर है कि अभिनेत्री माही गिल आज बीजेपी में शामिल होंगी। हिंदी फिल्मों के अलावा माही ने पंजाबी फिल्मों में भी काम किया है। और पंजाब में उनकी काफी पैन फॉलोइंग है।

देव डी की एक्ट्रेस ने पिछले साल दिसंबर में वार्ड नंबर 2 से कांग्रेस उम्मीदवार हरमोहिंदर सिंह लकी के लिए प्रचार किया था। इस दौरान जब उनसे राजनीति में शामिल होने को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा था कि लकी उनके बचपन के दोस्त हैं और वह केवल उनका साथ दे रही थीं। उनकी राजनीति में शामिल होने की कोई योजना नहीं है।

माही ने गुलाल, आगे से राइट, दबंग, साहेब बीवी और गैंगस्टर, पान सिंह तोमर, दबंग 2, साहेब बीवी और गैंगस्टर्स रिटर्न्स, जंजीर, दुर्गामती जैसी फिल्मों में काम किया है। माही गिल का असली नाम रिंपी कौर गिल है। माही एक पंजाबी परिवार से ताल्लुक रखती हैं और मुख्य रूप से चंडीगढ़ की रहने वाली हैं।

माही गिल को साल 2009 में रिलीज हुई अनुराग कश्यप की फिल्म 'देव डी' से बॉलीवुड में पहचान मिली। फिल्म देव डी के बाद माही ने कई अवॉर्ड भी अपने नाम किए। माही गिल ने हिंदी और पंजाबी फिल्मों में काम करने के अलावा माही ने तेलुगू फिल्मों में भी काम किया है।

विज्ञापन के लिए संपर्क करें :-
9303289950, 9827806026,
8962815243

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel
Apana Keshari Lodge,
Power House,
Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

मोमोस नास्ता सेंटर...
थापा शुद्ध मोमोस सेंटर
फुल हाफ
वेज मोमोस 40/- 20/-
मनचुरियन मोमोस 50/- 30/-
पनीर मोमोस 60/- 30/-
मोमोस-10, 20 और 30 रू. का भी मिलता है। शुद्ध बिना ऑयल का बना
मो.-9977690915, 7898349602
सर्कुलर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

लिजना स्पोर्ट्स वियर
हमारे यहां सुपरपॉली, करारा, ड्राईफिट, एन.एस लावकरा आदि कपड़ों के लोवर, चड्डा, बनाये जाते है, एवं स्पोर्ट्स की टी-शर्ट होलसेल रेट में बनाए जाते हैं
संबंधित संस्थान
New J.P. Sports
Shop No. E-20, Circular Market, Camp-2, Bhilai
Mo. Lovely: 9993338252, 9300878988

श्रीराम कलेक्शन
बच्चों के आकर्षक रेडिमेड वस्त्रों के विक्रेता
जवाहर मार्केट केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
789805563, 9827178585

श्री सांई जींस कॉर्नर
ओम सांई कलेक्शन
■ मेन्स वेयर ■ किड्स वेयर
■ लेडिस वेयर ■ वेडिंग कलेक्शन
9827115003, 9806303000
जवाहर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

रामजाने स्वादिष्ट चाट भंडार
शादी एवं पार्टी में ऑर्डर लिया जाता है
संपर्क करें : 8871247959

नाकोड़ा साड़ी सेंटर
एक्सक्लूसिव साड़ी शोरूम
फैंसी साड़ी, वैवाहिक साड़ियां डिजाईनर साड़ियां एवं सलवार सूट, लांचा
जवाहर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

खास खबर

मूक बधिर छात्र हेमसागर ने दिखायी अपनी प्रतिभा

गरियाबंद। जिला के हेमसागर चन्द्रवंशी ने रायपुर के साइंस कॉलेज में पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। गरियाबंद-मैनपुर विकासखंड के माध्यमिक स्कूल देहारगुड़ा के सातवी के छात्र मूक बधिर हेमसागर राज्य स्तरीय कार्यक्रम साइंस कॉलेज मैदान रायपुर में पेंटिंग कार्यक्रम में अपनी दिखा रहे हैं।प्रधान पाठक चित्र सेन पटेल ने बताया कि विकासखंड मैनपुर से हेमसागर का चयन किया गया था।जो कि हमारे विद्यालय के लिए गौरव की बात हैं।समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा तीन से पाँच तक चल रहे कार्यक्रम में माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत हेमसागर कक्षा सातवीं में पढ़ाई करते हैं।हेमसागर मूक बधिर होने के बाद भी पेंटिंग कर अच्छे से अच्छे चित्रकारी कर लोगों के दिल जीत लेते हैं। बायाँ हाथ से लिखते हैं।अक्षरों की लिखावट भी बहुत ही सुंदर हैं।समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित साइंस कॉलेज रायपुर कार्यक्रम में आदिवासी विकासखंड का यह मूक बधिर हेमसागर ने अपनी प्रतिभा दिखाई।प्रधान पाठक चित्र सेन पटेल ने बताया कि दिव्यांग बालक हेमसागर को प्रतिदिन एक घण्टा समय दे कर सीखने के लिए प्रयासरत हूँ।

कर्णेश्वर महोत्सव की हो रही तैयारियां

नगरी। ऐतिहासिक कर्णेश्वर मेला महोत्सव की तैयारी को अंतिम रूप प्रदान करने ट्रस्ट अध्यक्ष विकल गुप्ता की अध्यक्षता में ट्रस्ट की बैठक आहूत की गई जिसमें 16 फरवरी से 20 फरवरी को आयोजित मेला महोत्सव के लिए कार्यो की जिम्मेदारी दी गई।मेला में इस वर्ष नए साज सज्जा के साथ मीना बाजार आकर्षण का केंद्र होंगे। बैठक में स्वर्गीय डॉ सुरेश सार्वा की स्मृति में प्रकाश सार्वा ,डेविड सार्वा ने लेक्चर स्टैंड, स्वर्गीय जे आर कौशल की स्मृति में महेंद्र कोशल ने स्टील कुर्सी, एवं प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल विकास समिति बॉस पानी द्वारा स्टील कुर्सी तथा भानु साहू सिरसिदा नेस्टील रेलिंग ट्रस्ट को प्रदान किया।बाजार भी सुव्यवस्थित ढंग से बैठाये जाएंगे जिसके लिये समितियों का गठन किया गया।प्रवीण गुप्ता, दीपक यदु,छबी ठाकुर,उत्तम साहू,मोहन पुजारी ,पंकज ध्रुव को बाजार प्रभारी, राम लाल नेताम,राम भरोसा साहू ,ललित शर्मा,प्रकास सार्वा,महेंद्र कोशल,भानु साहू को भोजन व्यवस्था समिति,अतिथि स्वागत समिति कैलाश पवार,कलम सिंह पवार,शिव परिहार,रामप्रसाद मरकाम,पवन भट्ट, के एस श्रीमाली, नन्द नाग,कैलाश प्रजापति, आनंद अवस्थी,अमर सिंह पटेल,तेज नाथ साहू, ।देव आमन्त्रण स्वागत व सत्कार समिति कैलाश पवार, कलम सिंह पवार,उत्तम साहू, गगन नाहटा,रामप्रसाद मरकाम,छबि ठाकुर,,पूजा समिति योगेश साहू,नन्द यादव,ललित शर्मा, अनिरुद्ध साहू,सरपंच गण, सांस्कृतिक कार्यक्रम मंच प्रभारी प्रकाश बेश, कोशल साहू,कुलदीप साहू,घाट व्यवस्था पंकज ध्रुव, मिलेश साहू ईश्वर जांगड़े आलोक सिन्हा रवि ठाकुर आदि को दायित्व दिया गया।

कोविड वेक्सीनेशन महाभियानः एक दिन में 50 हजार 910 लोगों को लगी कोविड वैक्सीन

श्रीकंचनपथ न्यूज

वैक्सीनेशन सेंटरों में युवा, महिला, किसान, बुजुर्ग उत्साहित होकर पहुंचे वैक्सीन लगवाने

456 वैक्सीनेशन सेंटरों में 514 वैक्सीनेटरों द्वारा लगाया गया टीका

कोरबा। कोरबा जिले में कोविड-19 के संक्रमण से लोगों को बचाने के लिए पांच फरवरी को टीकाकरण का महाभियान चलाया गया। इस दौरान सुबह से ही शहरी और ग्रामीण इलाकों के टीकाकरण केन्द्रों पर कोविड वैक्सीन लगवाने के लिए बड़ी संख्या में लोग लाईन में लगे रहे। ग्रामीण इलाकों में टीकाकरण केन्द्रों के अलावा मोबाईल मेडिकल टीमों ने भी घर-घर जाकर लोगों को कोविड से बचाने के लिए टीके लगाये।

इस महाभियान में एक दिन में 50 हजार 910 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये। कोविड वैक्सीन लगवाने के लिए 15 वर्ष से अधिक उम्र के किशोर-किशोरियों, युवाओं, महिला, किसान एवं बुजुर्ग लोग भी उत्साहित होकर टीकाकरण स्थल तक पहुंचे। वैक्सीनेटरों द्वारा लोगों को मनरेगा कार्य स्थल पर भी पहुंचकर टीका लगाया गया। विकासखंड पोड़ी-उपरोड़ा के ग्राम हरदेवा और तनेरा में चल रहे मनरेगा के कार्य स्थल में ही लोगों को जरूरत अनुसार कोविड का पहला और दूसरा वैक्सीन लगाया गया। इसी प्रकार बिंझरा के बस स्टैण्ड में भी मोबाईल मेडिकल यूनिट द्वारा लोगों को कोविड टीका लगाया गया।

कोविड टीका पूरी तरह सुरक्षित, कोरोना से बचने लगवाए टीका - कोविड वैक्सीनेशन महाभियान के दौरान 15 वर्ष से अधिक उम्र के स्कूली छात्र-छात्राओं ने भी टीकाकरण स्थल पर पहुंचकर उत्साहित होकर कोविड का टीका लगवाए। रजगामार निवासी कक्षा 9 वीं की छात्रा साक्षी साहू ने जिला पुस्तकालय भवन में बनाए गए वैक्सीनेशन सेंटर में आकार कोविड का पहला डोज लिया। उन्होने बताया कि कोविड वैक्सीन लगवाकर अच्छा महसूस हो रहा है। कोविड टीका पूरी तरह सुरक्षित हैं। 15 वर्ष के अधिक उम्र के सभी लोगों को कोरोना से बचने के लिए टीका लगवाना चाहिए। इसी प्रकार कोरबा शहर में ही रहने वाली कक्षा 12 वीं की छात्रा मुस्कान शर्मा ने भी कोविड वैक्सीन का डोज लेने के बाद सबको कोरोना से बचने कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सुरक्षित रहने की अपील की। कक्षा 12 वीं की छात्रा निशा साहू ने कोविड टीका लगवाकर टीका लगवाने से नहीं डरने और मास्क का हमेशा उपयोग करने की अपील की।

महाभियान के दौरान पाली विकासखंड में लगे सबसे अधिक टीके- कोविड वैक्सीनेशन महाभियान के दौरान पाली विकासखंड में सबसे अधिक टीके लगाये गये। पाली विकासखंड में 13 हजार 430 लोगों का टीकाकरण किया गया । कोरबा विकासखंड में छह हजार 093, करतला विकासखंड में 10 हजार 108, शहरी क्षेत्रों में सात हजार 393 , कटघोरा में सात हजार 808 और पोंड़ीउपरोड़ा विकासखंड में छह हजार 078 लोगों को महाभियान के दौरान टीके लगाये गये।

महाअभियान के लिए 456 वैक्सीनेशन सेंटर - शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन के लिए 05 फरवरी को टीकाकरण महाअभियान के लिए जिले में 456 टीकाकरण केंद्र बनाए गए थे। इन केंद्रो पर 514 वैक्सीनेटरों द्वारा लोगों को टीका लगाया गया। करतला विकासखंड में 62 केंद्रों में 120 वैक्सीनेटरों ने लोगों को कोरोना का टीका लगाए। कटघोरा विकासखंड में 83 केंद्रों पर 83 वैक्सीनेटर, कोरबा विकासखंड में 80 केंद्रों पर 80 वैक्सीनेटर, पाली विकासखंड में 85 केंद्रों पर 85 वैक्सीनेटर, पोड़ी-उपरोड़ा विकासखंड में 46 केंद्रो पर 46 वैक्सीनेटरों को टीकाकरण के काम में लगाया गया था। शहरी क्षेत्रों में 100 केंद्र बनाए गए थे, जहां 100 वैक्सीनेटरों ने टीकाकरण की जिम्मेदारी निभाई।

दूरस्थ ग्राम चन्देश्वरपुर में लगाया मेगा स्वास्थ्य शिविर

186 लोगों का किया गया निःशुल्क उपचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। कलेक्टर श्री संजीव कुमार झा के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पीएस सिसोदिया के मार्गदर्शन में शनिवार को लुण्ड्रा विकासखंड के दूरस्थ वनांचल ग्राम चन्देश्वरपुर में विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने गाँव मे शिविर लगाकर 186 लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य जांच सह उपचार किया। शिविर में आए लोगों को कोरोना का टीका भी लगाया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लुण्ड्रा के बीएमओ डॉ मो. इरफ़ान ने बताया कि चन्देश्वरपुर गाँव में शनिवार को विशेष पिछड़ी जनजाति के लिए वृहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। गाँव मे पहाड़ी कोरवा, नगेशिया, बारगाह, कंवर, तथा गोंड जनजाति निवास करती है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शिविर में उपस्थित 186 लोगों का स्वास्थ्य जाँच कर हाइपरटेंशन के 13 मरीज, शुगर के 13, प्रि ओरल कैंसर के 19, अनीमिया के 2, मोटर डिले के 2, एपिलेप्सी के 1, मॉलन्यूट्रिशन के 2 तथा हर्निया के 1 मरीज का चिन्हांकन किया गया। इसके साथ ही शिविर में आये लोगों को कोविड का टीका भी लगाया। शिविर के माध्यम से लोगों का निःशुल्क इलाज कर दवा वितरण किया गया। लुण्ड्रा विकासखंड में इस तरह के मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन लगातार किया जा रहा है। इससे पूर्व जाटसेमर, सरईपानी तथा गेरसा में भी वृहद स्तर पर स्वास्थ्य शिविर लगाया गया था। स्वास्थ्य शिविर में जनपद अध्यक्ष गंगाराम, उपाध्यक्ष वीरभद्र सिंह, डॉ संतोष सिंह, डॉ प्रियंका सिंह, डॉ विद्या, आरएमए मीना तिर्की तथा अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

सीनियर क्रिकेट का ट्रायल संपन्न अंतरिम टीम घोषित, लगेगा कैंप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले की सीनियर क्रिकेट टीम का ट्रायल स्टेडियम में शनिवार को संपन्न हुआ। जिला क्रिकेट संघ के सचिव रामचन्द्र शर्मा ने बताया कि बीसीसीआई के निर्देश पर व छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के आदेशानुसार जिला क्रिकेट संघ के द्वारा रायगढ़ स्टेडियम में चयनकर्ता पंकज बोहिदार एवं जफर उल्लाह सिद्धिकी के द्वारा खिलाड़ियों का प्रात:काल 9 बजे से फिटनेस ट्रायल लिया गया जिसमें खिलाड़ियों के द्वारा फिटनेस टेस्ट दिया गया। तत्पश्चात दोपहर 2 बजे से खिलाड़ियों का बल्लेबाजी व गेंदबाजी के आधार पर आंकलन कर अंतरिम टीम का चयन किया गया।

जो इस प्रकार है -

रवि सिंह, अमित कुंवर, सचिन चौहान, हासिम कुरैशी, आलोक रंजन, अजित कुमार, रियाज अली, आदित्य शर्मा, कृष मैत्री, कृतिक शर्मा, लव्यम राजपूत, स्वराज शर्मा, हिमांशु छड़िमली, चंद्रकांत शर्मा, करण महेश, विनय प्रकाश साहू, मोहसीन अहमद, आशीष ओझा, शेख जावेद, विकास द्विवेदी, अजहरूल कादरी, मोहम्मद आसिफ सूरज आचार्या, अनुराग पटेल, कपिल झा शामिल हैं। जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष संतोष पाण्डेय ने बताया कि सभी खिलाड़ियों को अभ्यास शिविर में मेहनत करनी होगी।

उसके बाद ही अंतिम रूप से खिलाड़ियों का चयन होगा। सचिव रामचन्द्र शर्मा ने बताया कि अंतरिम टीम के सभी खिलाड़ियों को सोमवार प्रात: 7 बजे से लाल मैदान में फिटनेस के लिए पहुंचना होगा। दोपहर में संस्कार स्कूल कैंपस में नेट्स के लिए 2:30 बजे से आना अनिवार्य होगा। अभ्यास कैंप 7 तारीख से 16 तारीख तक के लिए 10 दिवसीय आयोजन किया जाएगा। इस दौरान खिलाड़ियों को अभ्यास मैंच का मौका भी दिया जाएगा। सभी खिलाड़ियों को वैक्सीनेशन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए कहा गया है।

100 नए सैनिक स्कूलों में प्रवेश पाने के इच्छुक छात्रों के लिए ई-काउंसलिंग की तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली। पूरे देश में 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने के सरकार के लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाते हुए सैनिक स्कूल सोसायटी (एसएसएस) ई-काउंसलिंग के संचालन के लिए एक स्वचालित प्रणाली विकसित करने की तैयारी में है। यह सरकार की सोच के अनुरूप पूरे देश में स्थापित किए जा रहे नए स्कूलों पर लागू होगा। इसके तहत छात्रों को सैनिक स्कूल के पाठ्यक्रम अनुपालन के साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

छात्रों की जानकारी के लिए सैनिक स्कूल सोसायटी (एसएसएस) ई-काउंसलिंग के लिए समय-सीमा के साथ आवेदन करने के संबंध में व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करेगी। यह सोसायटी पात्रता के लिए निर्धारित अंक से अधिक अंक प्राप्त करने वाले आवेदक छात्रों को समय-समय पर व्यक्तिगत रूप से उनके ईमेल या मोबाइल नंबर पर एक लिंक भेजेगा। इसके साथ ही नए सैनिक स्कूलों को श्रेणी और लिंग के आधार पर जानकारी के साथ-साथ रिक्तियों की संख्या प्रदान करने के लिए उपयुक्त पहुंच अधिकार प्रदान किए जाएंगे।

छात्रों को वेब पोर्टल सैनिक स्कूल.एनसीओजी.जीओवी.इन पर दिए गए लिंक के जरिए अपना पंजीकरण करने और उनके विवरण सत्यापित करने के लिए कहा जाएगा। वहीं, छात्रों के पास आवंटन के विकल्प के रूप में अधिकतम 10 स्कूलों के चयन का विकल्प उपलब्ध होगा। इसके बाद छात्रों को सैनिक स्कूल का आवंटन उनकी रैंक व स्कूलों की पसंद के आधार पर निर्मित प्रणाली के जरिए किया जाएगा। इसके परिणाम को ई-काउंसलिंग पोर्टल के माध्यम से घोषित किया जाएगा। आवेदक छात्र को परिणाम के अनुरूप आवंटन को स्वीकार करना होगा या काउंसलिंग के राउंड- 2 के लिए विचार किए जाने वाले विकल्प या आगे विचार के लिए अनिच्छा की जानकारी देनी होगी। वहीं अपनी पसंद को स्वीकार/लॉक करने वाले छात्रों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर (भौतिक) सत्यापन की प्रक्रिया पूरा करने की तारीखों की सूचना दी जाएगी।

छात्रों के भौतिक सत्यापन के बाद अपने डेटाबेस में जरूरी अपडेट के लिए नए सैनिक स्कूलों को रियल टाइम के आधार पर अपनी पसंद को लॉक करने वाले छात्रों की सूची दिखाई देगी। वहीं, राउंड- 1 की निर्धारित तिथि और समय के बाद नहीं भरी गई सीटों को काउंसलिंग के राउंड- 2 के जरिए भरा जाएगा। जिन छात्रों ने राउंड-1 में सीटों को स्वीकार/प्राप्त नहीं किया है, उनके पास ई-काउंसलिंग के राउंड- 2 में बाकी सीटों को चुनने का विकल्प उपलब्ध होगा। ई-काउंसलिंग के लिए यह स्वचालित प्रणाली प्रवेश प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करेगी।

आज विकास की बयार बह रही है, सुरक्षा चारों और दिखती हैः योगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

मथुरा(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मथुरा में कहा कि विकास और बुल्डोजर एक साथ चलेगा। सपा सरकार में विकास कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल तक ही सीमित था। 2017 के बाद परिवर्तन आया है। आज सुरक्षा चहुंओर दिखती है। सपा की सरकार के समय में 700 बडे दंगे हुए हैं प्रदेश में, हमारी सरकार के पांच साल में एक भी दंगा यूपी में नहीं होता है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को मांट विधान सभा क्षेत्र में टैंटीगांव, नौहझील बाइसपास रोड पर चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चुनावी सभा में कहा कि पिछले पांच साल के अंदर प्रदेश में हर क्षेत्र में कुछ न कुछ बदलाव प्रत्येक व्यक्ति को देखने को मिल रहा है। बदलाव की पहली शर्त होती है कानून का राज, 2012 से 2017 के बीच की हम चर्चा करते हैं तो 2012 में पहला दंगा यहीं कोसीकला में हुआ था और अंतिम दंगा भी जवाहर बाग के रूप में यहीं हुआ था। सरकार भी पेशेवर माफिया के सामने मौन बनी रहती थी। पिछले पांच साल में आपने देखा होगा जो कानून के लिए खतरा बने हैं उन पर हमारी पुलिस ऐसे टूटेगी कि उन्हें जान की भीख मांगनी होगी। आज हर बहन बेटी सुरक्षित है। हमारी गौ माता सुरक्षित है। यमुना पुकार कर कह रही है कि गंगा की तरह मैं भी निर्मल और स्वच्छ रहूंगी। पिछली सरकारें सुरक्षा दे पातीं तो जवाहरबाग और कोसीकला की घटनाएं नहीं होतीं। आगरा का उपद्रव नहीं होता, बुलंदशर का उपद्रव नहीं होता अराजकता नहीं फैलती। अव्यवस्था नहीं फैलती। पिछली सरकारों के ऐजेंडे में सुरक्षा कहीं थी ही नहीं। सुरक्षा के लिए कोई और नहीं वह स्वंय ही खतरा बने हुए थे। इसी लिए पिछली सरकार के समय में कोई प्रदेश में आना नहीं चाहता था।

शाम को पांच बजे के बाद व्यापारी अपना प्रतिष्ठान बंद कर देता था। बेटियां स्कूल नहीं जा पाती थीं। बाजार करने के लिए महिलाएं नहीं निकल पाती थीं। व्यक्ति घर से निकलता था तो उसे पता नहीं होता था कि वह घर वापस आ पाएगा कि नहीं आ पाएगा यह अराजकता का माहौल था। ये राम का विरोध करते थे, कृष्ण का विरोध करते थे। हिन्दू देवी देवताओं के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी करते थे। पिछले पांच साल में हमारी सरकार ने 700 तीर्थों मंदिरों का निर्माण किया है। सपा का विकास कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल तक था। कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल के बाहर सपा का विकास नहीं था। आज जब चुनाव आ गए हैं। हमारी सरकार में फ्री में वैक्सीन, फ्री में उपचार, फ्री में राशन दिया जा रहा है। पहले विकास का पैसा इत्रवाले मित्र के घर चला जाता था। सपा, बसपा की संवेदना इत्रवाले मित्र के लिए फूट पडती है, कहते हैं क्यों बुल्डोजर चला रहे हैं।

हमने कहा बुल्डोजर और विकास एक साथ चलेगा। एक हाथ से विकास होगा दूसरी ओर हमारा बुल्डोजर चलेगा। इस दौरान पूज्य संत फूलडोल बिहारीदास महाराज, रामकमल वेदांती जी महाराज, चितप्रकाशानंद, महेशानंद जी महाराज, सांसद हेमा मालिनी, मधु शर्मा, पदम सिंह शर्मा, विजय शिव हरे, रविकांत गर्ग, चौधरी तेजवीर सिंह, देवेन्द्र शर्मा, प्रवीन पाल, रावमीर सिंह गुर्जर, मुकेश वार्ष्णेय, कन्हैयालाल चौधरी आदि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व प्रसिद्ध गायिका लता मंगेशकर को मंच से श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहाकि आज इस देश के लिए बहुत ही दुखद समाचार है।

कला केंद्र में लता मंगेशकर के निधन पर पुष्प अर्पित कर दी गई श्रद्धांजलि

सूरजपुर। सूरजपुर में संचालित हो रहे कलाकेंद्र में लता जी के निधन हो जाने पर शाम को लता जी के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित एवं मोमबत्ती जलाकर दो मिनट मौन धारण कर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई। एवं उनके गाए हुए गीतों को गाकर उनको याद किया गया।

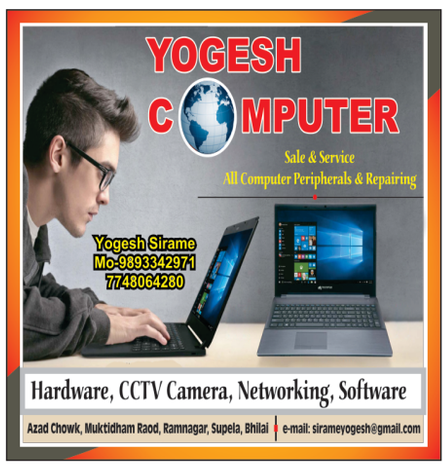

खास-खबर

रायपुर रेलवे स्टेशन के आरक्षण कार्यालय में आग लगने से जले दस्तावेज

रायपुर (ए)। रायपुर रेलवे स्टेशन के आरक्षण कार्यालय में रविवार- सोमवार की दरमियानी रात दो बजे आग लग गई। आग लगने से आरक्षणकाउंटर पर दस्तावेज और आरक्षण फॉर्म आदि जल गए। रात में आरक्षण कार्यालय बंद होने से आग लगने से धुआं निकलते देख कुछ लोगों ने जीआरपी को इसकी सूचना दी। जीआरपी के फायर ब्रिगेड को सूचना देने पर दो दमकल तुरंत पहुंच गया। दमकल आने से पहले आग की लपटे तेज होने लगी लेकिन दमकल कर्मियो ने आग पर काबू पा लिया। रात में ही आरक्षणकार्यालय को खुलवाया गया। आग लगने से आरक्षण फॉर्म और पुराने दस्तावेज जलकर राख हो गए थे। आरक्षणविभाग के कर्मियों ने कहा शायद शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी है।

रेलवे बोर्ड में उछलेगा गार्ड की मौत का मामला

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर रेल मंडल अंतर्गत लचकुरा में गार्ड (ट्रेन मैनेजर) की मौत का मामला गरमाने लगा है। इस घटना की पूरी जानकारी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे श्रमिक यूनियन ने आल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा को दी है। इस पर उन्होंने मामले को प्रमुखता के साथ रेलवे बोर्ड में रखने की बात कही है। शनिवार की सुबह 4:20 बजे के लगभग रायगढ़ में पदस्थ ट्रेन मैनेजर जितेंद्र कुमार ठाकुर (43) की लचकुरा में अहमदाबाद एक्सप्रेस की चपेट में आने से मौत हो गई। वे लांग हाल ट्रेन बना रहे थे। जबकि नियमानुसार यह काम सीएंडडब्ल्यू विभाग का है। रेल प्रशासन नियमों को ताक में रखकर इस तरह के कार्य चालक व गार्ड से करा रहा है। इसे लेकर रनिंग कर्मचारियों में आक्रोश है। दरअसल जहां पर लांग हाल मालगाड़ी बनाई जा रही थी वहां पाथ-वे की सुविधा है न रोशनी का इंतजाम। मेन लाइन के किनारे की लाइन में इस तरह काम कराना यह भी संरक्षा नियमों का उल्लंघन है।

शादी का वादा करके बनाया शारीरिक संबंध, गर्भवती होने पर अबॉर्शन कराकर बोला-नहीं कर पाऊंगा शादी, युवक गिरफ्तार

बिलासपुर। बिलासपुर की युवती से दुष्कर्म करने वाले उत्तरप्रदेश के युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, दोनों के बीच प्रेम संबंध चल रहा था। युवक उससे शादी करने का झांसा देकर शारीरिक संबंध बना रहा था। फिर जब युवती गर्भवती हो गई तो उसका अबॉर्शन करा दिया। बाद में कहने लगा कि नहीं कर पाऊंगा शादी। अब युवती ने उसके खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया है। मामला कोनी थाना क्षेत्र का है।

टीआई सुनील तिर्की के मुताबिक उत्तरप्रदेश के गोरखपुर जिले के बेड़ीपार विस्थैली निवासी अभिषेक त्रिपाठी (21 साल) गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी में बी-टेक सिविल का छात्र है। वह कोनी के रिवर व्यू कॉलोनी में रूम किराए में लेकर रहता है। इस दौरान करीब साल भर पहले 20 वर्षीय युवती से उसने दोस्ती की थी। धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई और उनका मिलना-जुलना शुरू हो गया। फिर युवक ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करता रहा। बाद में उसने युवती से शादी करने से ही इनकार कर दिया। उसकी हरकतों से तंग आकर युवती ने कोनी थाने में दुष्कर्म का केस दर्ज करा दिया।

युवती ने पुलिस को बताया कि इस बीच वह प्रेग्नेंट भी हो गई थी, तब युवक ने शादी के बाद बच्चा लेने का झांसा दिया और उसका गर्भपात करा दिया। इसके बाद वह शादी करने के लिए दबाव बनाती रही। लेकिन, युवक शादी करने के लिए तैयार नहीं हुआ और उससे पीछा छुड़ाने लगा।

यूपी भागने की फिराक में था युवक

अपराध दर्ज करने के साथ ही पुलिस ने आरोपी युवक की तलाश शुरू कर दी। जैसे ही उसे पता चला कि उसकी प्रेमिका ने थाने में केस दर्ज करा दी है। तब वह यूनिवर्सिटी छोड़कर अपने गांव भागने की फिराक में था। इधर, पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। तभी रविवार को उसे नेहरू चौक के पास दबोच लिया गया।

जान से मारने की धमकी देकर महिला से रेप, आरोपी देवर गिरफ्तार

जांजगीर (ए)। जांजगीर जिले में जान से मारने की धमकी देकर शादीशुदा महिला से रेप का मामला सामने आया है। महिला जब घर पर अकेली थी, तभी आरोपी देवर उसके घर में घुस आया था। उसने महिला को पहले धमकी दी थी। फिर कहा था कि तेरे बेटे को भी मार डालूंगा। इसके बाद उसने महिला से रेप किया था और फरार हो गया था। पुलिस ने आरोपी को अब 4 महीने बाद गिरफ्तार कर लिया है।

डभरा इलाके में रहने वाली 29 साल की महिला ने इस मामले की शिकायत की थी। महिला ने बताया था कि 07 अक्टूबर 2021 को वह दोपहर के वक्त घर पर अकेली थी। इसी दौरान आरोपी जबरदस्ती घर में घुस आया था। उसने घर में आते ही महिला को धमकी देना शुरू कर दिया था। महिला ने बताया कि आरोपी रिश्ते में उसका देवर लगता है।

बताया गया कि आरोपी ने महिला को धमकाने के बाद उसके 9 साल के बच्चे को मार डालने की धमकी दी थी। इसके बाद उससे रेप किया था। वारदात को अंजाम देकर वह भाग निकला था। उसी दिन शाम को महिला ने इस मामले की शिकायत डभरा थाने में की थी। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। फिर पुलिस ने आरोपी के घर पर भी दबिश दी थी। मगर वह नहीं मिला था। इस बीच पुलिस को सूचना मिली की आरोपी घर आया हुआ है। इसके बाद पुलिस ने उसके घर पर दबिश दी और उसे गिरफ्तार कर लिया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भिलाई

(संपत्तिकर विभाग)

क्रमांक/चार/तीन/सं.क.वि./2022/581/314 भिलाई, दिनांक 02/02/2022

//स्वामित्व के हस्तांतरण की सूचना//

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका कि नगर पालिक निगम भिलाई के संपत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है यदि किसी को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकार्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद मे प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा.-

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1	मेसर्स बिल्टेक इजी. प्रा.लिमि. डायरेक्टर श्री मनीष गुप्ता आ. श्री कुलदीप गुप्ता, 54, मोतीलाल नेहरूनगर, भिलाई तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती रश्मि धमीजा पति श्री अमरदीप सिंह धमीजा, निवासी-115, न्यू सिविक सेन्टर भिलाई, जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	जुनवानी, वार्ड - 01, सूर्या अपार्टमेंट जुनवानी(नियर माडल टाउन), भिलाई फ्लैट नं. एफ/61, ब्लाक-एफ, छठव तल, 771.06 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
2	स्व. श्रीमती कान्ती दिवान ध.प. स्व. श्री नारायण धर दिवान, निवासी-म.नं. 25/219, महितोष चौक गली, हनुमान मंदिर के पास, ब्राहमण पारा, रायपुर, तह. व जिला-रायपुर(छ.ग.)	श्री वरूण दीवान, आ0 श्री अनुराग दीवान, निवासी- 347, सुंदर नगर, रायपुर, तह. व जिला-रायपुर(छ.ग.)	वसीयतनामा	जुनवानी, वार्ड -01, सूर्या विहार जुनवानी, भिलाई, खसरा नं. 746/1 क दुकड़ा, प्लाट नं.- सी-1/100, रकब 2400 वर्गफुट, आवासीय भवन निर्मित।
3	"चौहान हाउसिंग"(चौहान ग्रीन वैली) आपेजिट चौहान टाउन, जुनवानी, भिलाई प्रोपराईटर- श्री अजय चौहान आ. स्व. श्री विपत(दीपेश्वर) चौहान, निवासी-राजीव नगर, भिलाई तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती लक्ष्मी श्री चटर्जी, ध.प. श्री राजेश चटर्जी, निवासी-लक्ष्मी निवास, प्लाट सी-75, स्ट्रीट-15, स्मृतिनगर, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड 01,"चौहान हाउसिंग" (चौहान ग्रीन वैली) अपोजिट-चौहान टाउन, खम्हरिया व जुनवानी, भिलाई, फ्लैट नं. 15, ब्लाक-"D11", द्वितीय तल, 663.27 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित ।
4	मेसर्स बिल्टेक इजीनियर्स प्रा0 लिमि0, पता- चतुर्थ तल, सूर्या ट्रेजर आईलैण्ड मॉल, जुनवानी भिलाई, डायरेक्टर-मनीष गुप्ता, आ. श्री कुलदीप कुमार गुप्ता, निवासी-54, नेहरूनगर(पूर्व) भिलाई, तह. व ज़िला-दुर्ग(छ.ग.)	1. रवि अराध्यूला, आ. श्री साम्बा सिवा सास्त्री अराध्यूला, 2. श्रीमती किरण अराध्यूला, ध.प. श्री रवि अराध्यूला, वर्तमान निवासी-मकान क्र. 411, सड़क नं. 26, स्मृतिनगर भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, रानी अवन्ति बाई वार्ड क्र. 08,(सूर्या रेसीडेन्सी अन्दर भाग), भिलाई, खसरा नं. 2028/7, मकान क्रमांक ए 1/41, क्षेत्रफल-1925.46 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
5	श्री श्याम कंस्ट्रक्शन, पार्टनर-श्री प्रतीक अग्रवाल पिता श्री सुरेश कुमार अग्रवाल, निवासी-मकान नं.-12/23, श्यामकुंज, दीपक नगर, दुर्ग तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	अमिता माथुर पिता स्व. बिसन मोहन माथुर, निवासी-क्वा नं.-2बी, सड़क-48, सेक्टर-8, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	जुनवानी, आनंद नगर(वार्ड नं.-01, जुनवानी), अन्दर भाग, भिलाई, खसरा नं. 351/17, रकबा-1105 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
6	श्री श्याम कंस्ट्रक्शन, पार्टनर-श्री प्रतीक अग्रवाल पिता श्री सुरेश कुमार अग्रवाल, निवासी-मकान नं.-12/23, श्यामकुंज, दीपक नगर, दुर्ग तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	श्री सुनील कुमार कश्यप पिता श्री कमल नारायण कश्यप, निवासी-मकान नं. 94बी, 1 डब्ल्यु. ए टाईप, हास्पिटल सेक्टर, दल्लीराजहरा, बालोद(छ.ग.)	बिक्रीनामा	जुनवानी, जुनवानी चौक से चिखली नाला धमधा रोड की ओर(वार्ड नं. 01), अन्दर भाग, भिलाई, खसरा नं. 351/13, रकबा-890 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
7	चौहान हाउसिंग प्रा.लिमि. जुनवानी, भिलाई, डायरेक्टर- श्री अजय चौहान, आ. स्व. श्री विपत(दीपेश्वर) चौहान, निवासी- राजीव नगर, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती जयश्री जितेन्द्र कुराणी, ध.प. श्री जितेन्द्र कुराणी, एवं श्रीमती अमी हेमंत कुराणी, ध.प. श्री हेमंत कुराणी, निवासी-फ्लैट नं. 23, ब्लॉक-ई/7, पंचम तल, चौहान हाउसिंग प्रा. लि. "चौहान टाउन" जुनवानी रोड भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड 01, सी.एच.पी.एल. चौहान टाउन, नियर शंकराचार्य इंजी. कॉलेज, जुनवानी, भिलाई, फ्लैट नं. 23, ब्लाक-"E7", पंचम तल, 1194.89 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित ।
8	"चौहान हाउसिंग"(चौहान ग्रीन वैली) आपेजिट चौहान टाउन, जुनवानी, भिलाई प्रोपराईटर- श्री अजय चौहान आ. स्व. श्री विपत(दीपेश्वर) चौहान, निवासी-राजीव नगर,, भिलाई तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती सुष्मिता बोस सर, ध.प. श्री सुमीत कुमार सर, निवासी-479/के, गजानन मंदिर रोड, समता नगर, दुर्ग, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड 01,"चौहान हाउसिंग" (चौहान ग्रीन वैली) अपोजिट-चौहान टाउन, खम्हरिया व जुनवानी, भिलाई, फ्लैट नं. 48, ब्लाक-"E2", छठवा तल, 501.99 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित ।

उपायुक्त (संपत्तिकर)
नगर पालिक निगम
भिलाई

ससुर ने कुदाल से मारकर की बहू की हत्या

एक ही घर में अलग रहती थी बहू, लिपाई के दौरान हुआ था झगड़ा, आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव (ए)। राजनांदगांव में रविवार को जरा से विवाद के चलते बुजुर्ग ने अपनी बहू की कुदाली से हमला कर हत्या कर दी। ससुर और बहू का पिछले कई दिनों से आपसी विवाद चल रहा था। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने आरोपी ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि बहू गोबर से घर की लिपाई कर रही थी। इस दौरान दोनों के बीच विवाद हुआ और गुस्से में वृद्ध ने कुदाली से वार कर दिया। मामला गैंदाटोला थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम कोलिहालमती निवासी मनभा सिन्हा (35) पत्नी देवेंद्र सिन्हा घर में गोबर से लिपाई कर रही थी। इसी दौरान उसके ससुर जनक राम सिन्हा (70) पहुंच गए

और उनका पैर लिपाई वाली जगह पर पड़ गया। इसके चलते बहू ने हंगामा शुरू कर दिया। बात इतनी बढ़ी कि ससुर जनक राम सिन्हा भड़क गया। आरोप है कि उसने वहां रखी कुदाली उठाई और उससे मनभा पर वार कर दिया। सिर पर वार से मनभा ने मौके पर दम तोड़ दिया।

एक ही घर में बेटी को लेकर अलग रहती थी बहू

बताया जा रहा है कि परिवार में काफी दिनों से विवाद चल रहा था। इसके चलते बहू मनभा अपनी 6 साल की बेटी को लेकर घर में ही अलग रहती थी। जबकि उसका पति देवेंद्र अपने माता-पिता और 11 साल के बेटे के साथ रह रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि अभी तक पारिवारिक विवाद की बात सामने आई है। पूछताछ के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

खास - खबर

सेल-बीएसपी के यूआरएम ने आर-260 ग्रेड रेल के उत्पादन में बनाया नया दैनिक रिकॉर्ड

भिलाई। राष्ट्र के लिए रेल निर्माता के रूप में, सेल का भिलाई इस्पात संयंत्र, भारतीय रेलवे के दिन-प्रतिदिन के संचालन का एक अभिन्न अंग बन चुका है। सेल-बीएसपी ने भारतीय रेलवे के कड़े स्पेसिफिक्रेषनों के अनुसार विश्व स्तरीय रेलों की रोलिंग की है। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र, जो छह दशकों से अधिक समय से भारतीय रेलवे के लिए विभिन्न ग्रेड, गुणवत्ता, प्रोफाइल और लंबाई के वांछित स्पेसिफिक्रेषन के अनुसार विश्व स्तरीय गुणवत्ता वाली रेल का उत्पादन कर रहा है, अब वर्तमान में रेलवे को नए 60 ई-1 प्रोफाइल के साथ नए आर-260 ग्रेड रेल का उत्पादन और आपूर्ति कर रहा है। इस कड़ी में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल ने 04 फरवरी, 2022 को 60 ई-1 प्रोफाइल के साथ आर-260 ग्रेड रेल के 361 ब्लूम्स की रोलिंग कर दैनिक उत्पादन का नया कीर्तिमान स्थापित किया है जो कि 02 अगस्त, 2021 को स्थापित 359 ब्लूम्स की रोलिंग के दैनिक उत्पादन से कहीं अधिक है। 04 फरवरी, 2022 को कायम दैनिक उत्पादन के रिकॉर्ड के साथ-साथ इन रेल्स के इंस्पेक्षन में 95.55 प्रतिषत स्वीकृति दर प्राप्त कर स्वीकृति का भी एक नया कीर्तिमान स्थापित करने में कामयाब हुआ है। इस नये कीर्तिमान ने इससे पूर्व 23 जुलाई, 2021 को दर्ज, स्वीकृति दर 95.4 प्रतिषत के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। विदित हो कि भारतीय रेलवे रेल परिवहन में उच्च गति और एक्सल लोड की ओर बढ़ रहा है जिसके लिए रेलवे ने सेल से माइक्रो-अलॉय रेल स्टील का उत्पादन करने की मांग की है। इसी आवष्यकता को पूरा करने हेतु सेल-बीएसपी ने नए आर-260 ग्रेड रेल के उत्पादन पर विषेष ध्यान केन्द्रित किया है जिससे इस रेल को उच्च यील्ड स्टेऊथ प्रदान किया जा सके। 60 ई-1 प्रोफाइल के साथ आर-260 ग्रेड की रेल यूरोपीय स्पेसिफिक्रेषन ईएन-13674 से कहीं अधिक उच्च गति और अधिक एक्सल लोड लेने के लिए सक्षम है। सेल-भिलाई को इस बात पर गर्व है कि रेलवे को आपूर्ति किए जाने वाले रेल स्टील में हाइड्रोजन की मात्रा वैश्विक मानकों के न केवल अनुरूप है बल्कि कहीं-कहीं बेहतर है। नया आर-260 ग्रेड न केवल स्वच्छ स्टील सुनिश्चित करता है बल्कि बेहतर यांत्रिक गुण भी प्रदान करता है। सेल-भिलाई द्वारा आपूर्ति की जा रही इस नए ग्रेड की रेल, भारतीय रेलवे को उच्च शक्ति वाले तथा अधिक सर्विस लाइफ वाले रेल की उपलब्धता सुनिष्चित कर रेल्वे को बढ़ते यातायात दबाव का सामना करने हेतु सक्षम बनाएगी। साथ ही साइकिल टाइम में और अधिक वृद्धि होगी। प्रबंधन ने यूआरएम बिरादरी को बधाई देने के साथ ही उनके सहयोगी विभाग एसएमएस-2, एसएमएस-3, टी एंड डी, आरसीएल, राइट्स तथा अन्य सहयोगी विभागों को भी बधाई दी।

मर्चेंट मिल ने एसएमएस-3 के बिलेट से 75 एमएम एंगल की सफलतापूर्वक की रोलिंग

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मर्चेंट मिल ने दिनांक 04 फरवरी, 2022 को एसएमएस-3 से प्राप्त बिलेट्स का प्रयोग करते हुए 75ग75ग6 मिलीमीटर वाले एंगल के 1882 टन रोलिंग करने में सफलता पायी। इस सफलता के साथ मर्चेंट मिल ने 6 अक्टूबर, 2021 को स्थापित 1863 टन रोलिंग के अपने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। विदित हो कि पूर्व में मर्चेंट मिल, एसएमएस-1 व बीबीएम रूट से प्राप्त बिलेट से मर्चेंट प्रोडक्टस् की रोलिंग करता रहा है। इस चुनौतीपूर्ण रोलिंग को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने के उपलक्ष्य में मर्चेंट मिल व वायर राड मिल के मुख्य महाप्रबंधक श्री अजय बेदी ने मर्चेंट मिल बिरादरी को बधाई दी।

भवन अनुज्ञा एवं नगरीय नियोजन विभाग के प्रभारी साकेत चंद्राकर ने ली बैठक

अवैध अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई करने पर दिया जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महापौर परिषद के सदस्य, भवन अनुज्ञा एवं नगरीय नियोजन के प्रभारी साकेत चंद्राकर ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने कहा कि अवैध अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई आवश्यक है। मामला संज्ञान में आने एवं शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित कार्यवाही करने पर उन्होंने चर्चा की। प्रभारी ने भवन पूर्णत: प्रमाण पत्र में तीव्रता लाने पर चर्चा की।

वही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रारंभ किए गए प्रत्यक्ष भवन अनुज्ञा प्रणाली पर अधिक से अधिक फोकस करने अधिकारियों से कहा गया। उल्लेखनीय है कि हितग्राही या आवेदक घर बैठे 1 रुपए आवेदन शुल्क जमा करके एक क्लीक पर एक सेकंड में भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्राप्त कर पा रहे है। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत 500 वर्ग मीटर यानि की लगभग 5382 वर्ग फीट क्षेत्रफल के लिए इस प्रणाली के तहत हितग्राही जिन्हे भवन निर्माण हेतु भवन अनुज्ञा प्राप्त करना है वे सीधे निगम से पंजीकृत वास्तुविद के माध्यम से समस्त आवश्यक दस्तावेज के साथ पोर्टल www.bpms.sudacg.in में ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। दस्तावेज की प्रविष्टी भी ऑनलाइन होगी। भवन मानचित्र का परीक्षण मानव हस्तक्षेप रहित सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जायेगा।

प्रस्तुत मानचित्र सही पाये जाने पर एक रूपये ऑनलाइन जमा करने पर तुरंत ही भवन अनुज्ञा हितग्राही को प्राप्त हो जायेगी। इसके उपरान्त भवन अनुज्ञा के लिये निर्धारित शुल्क 30 दिवस के भीतर जमा किया जाना आवश्यक है। प्रत्यक्ष भवन अनुज्ञा प्रणाली के प्रारंभ होने से निगम दफ्तरो के अनावश्यक चक्कर काटने एवं भटकने से छुटकारा मिल जायेगा। वहीं जहां भवन अनुज्ञा के आवेदन करने के बाद पहले उपअभियंता, सहायक अभियंता, कार्यपालन अभियंता,जोन आयुक्त तथा भवन अनुज्ञा अधिकारी से होकर प्रक्रिया गुजरती थी वह समाप्त हो जायेगी और सीधे भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र ऑनलाइन मिल जायेगा। इस प्रणाली से पारदर्शिता भी बनी रहेगी वहीं गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवार के लिए यह लाभदायक साबित होगा।

गौरतलब है कि भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए 1 महीने में 50 से 70 आवेदन प्राप्त होते हैं, प्रत्यक्ष भवन अनुज्ञा प्रणाली के आरंभ होने पर ऐसे आवेदकों एवं हितग्राहियों को घर बैठे ही भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्राप्त होगा। इस प्रणाली से अभी तक सैकड़ों लोग लाभान्वित हो चुके हैं। बैठक में भवन अनुज्ञा विभाग के अधिकारी हिमांशु देशमुख, उप अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा, सिद्धार्थ साहू एवं दौलत चंद्राकर इत्यादि मौजूद रहे।

सुपेला अंडर ब्रिज निर्माण के दौरान नहीं हटाई जाएगी जेपी प्रतिमा, प्रतिष्ठान ने जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला में प्रस्तावित रेलवे अंडर ब्रिज निर्माण के दौरान यहां 32 वर्षों से स्थापित भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा को हटाया नहीं जाएगा। इस संदर्भ में भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण स्मारक प्रतिष्ठान की ओर से केंद्र व राज्य सरकार के समक्ष सख्त आपत्ति जताई गई थी। इसके बाद रेलवे प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। प्रतिष्ठान में रेलवे के इस निर्णय का स्वागत करते हुए केंद्र व राज्य सरकार का आभार जताया है।

उल्लेखनीय है कि सुपेला में अंडर ब्रिज का निर्माण होना है और इसके लिए पूर्व में रेलवे ने भिलाई स्टील प्लांट मैनेजमेंट और जिला प्रशासन के साथ मिलकर यहां 32 वर्षों से स्थापित भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा को विस्थापित करने का फैसला लिया था। इस पूरे फैसले के दौरान प्रतिमा स्थापना के मुख्य संरक्षणकर्ता/पक्षकार भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण स्मारक प्रतिष्ठान को कोई सूचना नहीं दी गई थी ना ही प्रतिष्ठान को विश्वास में लिया गया था। इसके बाद प्रतिष्ठान के अध्यक्ष आरपी शर्मा ने आपत्ति जताते हुए केंद्र व राज्य सरकारों से पत्र व्यवहार किया जिसमें आरपी शर्मा ने प्रधानमंत्री, इस्पात मंत्री, रेल मंत्री, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ,गृह मंत्री, दुर्ग कलेक्टर व रेलवे डिवीजन के संबंधित अधिकारियों को विस्तार से पत्र लिख कर जानकारी दी थी कि यहां प्रतिमा का अनावरण तत्कालीन प्रधानमंत्री चंद्रशेखर ने 1991 में किया था। आर पी शर्मा ने पत्र में भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण की गरिमा को देखते हुए अंडर ब्रिज निर्माण की मांग उठाई थी। इसके बाद रेलवे प्रशासन ने सम्मानजनक हल निकालते हुए अध्यक्ष आरपी शर्मा को पत्र भेजा है जिसमें रेलवे के फैसले से अवगत कराया गया है। 20 जनवरी 2022 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर के उप मुख्य अभियंता निर्माण ने वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर को इस निर्णय की सूचना दी है।

बसंत पंचमी के अवसर पर बच्चों का विद्यारंभ एवं माता सरस्वती की पूजा अर्चना की गयी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वसंत पंचमी के मौके पर नन्हें बच्चों का विद्यारंभ कराया गया। विद्यारंभ का यह सबसे शुभ दिन माना जाता है। मां दुर्गा मंदिर में माता के चरणों में बैठकर नए बच्चों ने कॉपी पर मां सरस्वती का जयकारा लिखकर विद्यार्जन की शुरूआत की।

शहर के गंजपारा दुर्ग में स्थित मां दुर्गा मंदिर में आयोजित माता सरस्वती पूजन के अवसर पर मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ लगी रही। हर वर्ग के लोग मां के मंदिर में मत्था टेकते देखे गए। छोटे बच्चों को गोद में लेकर कई अभिभावक विद्यारंभ कराने मंदिर पहुंचे थे। समित्ति द्वारा बच्चों के हाथ में कॉपी व पेंसिल देकर विद्यारंभ की विधि सम्पन्न कराई गई। सुबह मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना मन्दिर के मुख्य पुजारी पंडित सुनील पाण्डेय ने सम्पन्न कराई। पंडित सुनील पाण्डेय ने बताया कि जिस तरह हम एक नए जन्में बच्चे की खुशियां मनाते हैं उसी तरह मौसम की इस शुरूआत को भी हिन्दू परंपरा में बेहद अहम माना जाता है और यह दिन तब और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब इस दिन के साथ जुड़ता है सरस्वती पूजा का योग। देवी दुर्गा के नौ अवतारों में से सबसे अहम अवतार सरस्वती मां का माना जाता है। देवी सरस्वती ज्ञान, कला, संगीत की देवी हैं। इस अंधकारमय जीवन से इंसान को सही राह पर ले जाने का सारा बीड़ा वीणा वादिनी सरस्वती मां के कंधों पर ही है। पंडित के कहे अनुसार प्रात: काल स्नान कर मां सरस्वती के चित्र एवं प्रतिमा का विधि-विधान से पूजन की गई। देवी सरस्वती की आराधना एवं पूजा में प्रयुक्त होने वाली सामग्री अधिकांश श्वेत वर्ण रखी गई थी।

परमेश्वरी जयंती पर गया नगर सामाजिक भवन स्कूल में लगे पार्षद निधी के वाटर फिल्टर व अन्य सुविधा सामग्री का हुआ लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर देवांगन समाज द्वारा वार्ड 4गया नगर स्थित परमेश्वरी सामाजिक भवन में देवांगन समाज की ईष्ट देवी माता परमेश्वरी जी की जयंती आज हर्षोल्लास से मनाई गई इस अवसर पर वार्ड पार्षद श्रीमती लीना दिनेश देवांगन की पार्षद निधी से स्थापित वाटर फिल्टर मशीन व भवन में लगे ऐसी तथा भवन के जीर्णोद्धार कार्य का पूर्व सभापति दिनेश देवांगन ने रिबन काट कर उद्घाटन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वार्ड पार्षद श्रीमती लीना देवांगन ने किया इससे पूर्व सभी सामाजिक बंधुओ कि उपस्थिति में भवन में विराजित माता परमेश्वरी जी की मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर समाज की उन्नति के

लिए माता से प्रार्थना किया गया इस दौरान नगर निगम के एल्डरमैन कृष्णा देवांगन देवांगन समाज व परमेश्वरी शिक्षण समिति अध्यक्ष राकेश देवांगन पूर्व अध्यक्ष सखाराम देवांगन भूषण लाल देवांगन रमन देवांगन दुष्यंत देवांगन,अजित देवांगन,लक्ष्मीनारायण देवांगन,सचिव भूषण देवांगन,गोविंद देवांगन,पवन देवांगन शाला के प्रचार्या सुश्री लक्ष्मी राजपूत सहित बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधुगण उपस्थित थे।

इस अवसर पर पूर्व सभापति दिनेश देवांगन ने परमेश्वरी जयंती व बसंत पंचमी पर शुभकामना व्यक्त करते हुए कहा कि देवांगन समाज का गौरवशाली पौराणिक इतिहास है दुर्गासप्तशती पाठ में मा दुर्गा जी कि 108 स्वरूपो मे से एक रूप माता परमेश्वरी जी की भी वर्णन है जिसने मानव तन को वस्त्र कि आवश्यकता को ध्यान में रखकर कोष्टा अर्थात देवांगन कुल की उत्पत्ति किया है पूर्व सभापति दिनेश देवांगन आगे कहा कि देवांगन समाज जागरूक समाज है जिसमे शिक्षा के महत्व उच्च स्थान देता है वार्ड पार्षद लीना देवांगन ने कहा कि वे अपने पार्षद निधी मे से एक लाख की राशि सामाजिक भवन में संचालित स्कूली बच्चों के सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए प्रदान की है।

शहर के व्यस्ततम मार्केट में सिंगल यूज प्लास्टिक पर कार्रवाई करने खुद ग्राहक बनकर पहुंचे आयुक्त, कईयों के खिलाफ हुई कार्रवाई

निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे के नेतृत्व में प्लास्टिक फ्री शहर बनाने सुपेला लक्ष्मी मार्केट में हुई कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त प्रकाश सर्वे के नेतृत्व में शहर के व्यस्ततम इलाके सुपेला लक्ष्मी मार्केट में पॉलिथीन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक पर अचानक रात को छापामार कार्रवाई की गई।

अचानक हुई कार्रवाई में दुकानदारों को पॉलीथिन छुपाने का अवसर नहीं मिला और कई किलो पॉलीथिन कैरी बैग जब्ती किया गया इसके साथ ही दुकानदारों से जुर्माना वसूल किया गया। रात 7:00 बजे के तकरीबन नगर पालिक निगम भिलाई की गठित टीम जो कि सिंगल यूज प्लास्टिक, पॉलीथिन, कैरी बैग पर लगातार कार्रवाई कर रही है, सुपेला लक्ष्मी मार्केट पहुंची। वहां पर प्लास्टिक का व्यापार करने वाले बड़े व्यापारियों को पहले टारगेट किया गया, क्योंकि इन्हीं दुकानों से छोटे-छोटे दुकानदारों में सप्लाई होने की संभावना अधिक होती है। बड़े दुकानों में कार्रवाई के बाद टीम अलग-अलग कर्मचारियों के दल के साथ मार्केट क्षेत्रों में ठेला, गुमटी, बाजार और मटन मार्केट इत्यादि क्षेत्रों में सघन निरीक्षण करते हुए जिनके पास कैरी बैग थे उनसे कैरी बैग जब्त करते हुए जुर्माना लिया। वहीं निगमायुक्त स्वयं ग्राहक बनकर पहुंचे थे जहां भी पॉलीथिन कैरी बैग से सामग्री देने का प्रयास किया गया उनसे पॉलिथीन कैरी बैग को जब्त किया गया।

ऐसे ही सुपेला लक्ष्मी मार्केट में चारों ओर से घेराबंदी करते हुए पॉलीथिन कैरी बैग को जब्त कर दुकानदारों को चेतावनी दी गई और कहा गया कि अगली बार फिर से कैरी बैग मिला तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आयुक्त ने पॉलीथिन के मुख्य सप्लायर पर नजर रखने के निर्देश टीम को दिए हैं। आयुक्त नेतृत्व में पूरे सुपेला लक्ष्मी मार्केट में घूम-घूम कर कैरी बैग पर कार्रवाई की गई। सिंगल यूज प्लास्टिक की कार्रवाई में भारत माता प्लास्टिक से 3000 रुपये, महतू से 200 रुपये, दीपक से 100 रुपये, केसरवानी से 500 रुपये, राजू से 100 रुपये, संजू चौहान से 100 रुपए, विकी से 100 रुपये एवं संतोष से 100 रुपये जुर्माना वसूल भी किया गया। कार्रवाई में नेहरू नगर के सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे, पॉलिथीन पर कार्रवाई करने के लिए गठित टीम के कर्मचारी अंजनी सिंह एवं निगम की पूरी छापामार टीम सहित अन्य मौजूद रहे।

बीएसपी ने विश्व आर्द्रभूमि दिवस समारोह का किया आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर बीएसपी के पर्यावरण प्रबंधन विभाग द्वारा संयंत्र के अपशिष्ट जल उपचार हेतु हाल ही में स्थापित आउटलेट-बी और रिसाइक्लिंग प्लांट के परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेषक (वर्क्स) अंजनी कुमार तथा विषिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं), एस एन आबिदी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सीजीएम इंचार्ज असित साहा, मुख्य महाप्रबंधक सी के नारायणन, मुख्य महाप्रबंधक अशोक कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (यातायात), श्री टी दस्तीदार, महाप्रबंधक प्रभारी (पर्यावरण प्रबंधन), श्रीमती उमा कटोच, महाप्रबंधक प्रभारी राकेश पांडे तथा संयंत्र के विभिन्न विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। विदित हो कि प्रत्येक वर्ष 2 फरवरी को विश्व आर्द्रभूमि दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य आर्द्रभूमि की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में लोगों के मध्य वैश्विक जागरूकता उत्पन्न करना है। 2 फरवरी 1971 को कैस्पियन सागर के तट पर स्थित ईरानी शहर रामसर में आर्द्रभूमि पर हुए कन्वेंशन की इस तिथि को अपनाते हुए विष्व समुदाय ने इसे विश्व आर्द्रभूमि दिवस के रूप में मनाने हेतु निर्धारित किया है। जहां आर्द्रभूमि जैव-विविधता को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं वहीं जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं क्योंकि वे विषेष रूप से कार्बन को सोखने का कार्य करते हैं।

प्रोटोकाल में लग्जरी वाहन के नाम पर दौड़ी थी बाइक

सीएम प्रोटोकाल में फर्जीवाड़ा करने वाले फरार 4 आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। साल 2010 में वीआईपी व्यक्तियों को लक्जरी गाडियां उपलब्ध करानें एवं पेट्रोल डीजल के नाम पर लाखों करोड़ों रुपए का फर्जीवाड़ा करने के मामले में फरार और आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अम्बिकापुर सरगुजा श्रीमती नीलिमा सिंह बघेल ने आरटीआई कार्यकर्ता व अधिवक्ता डीके सोनी के आपत्ति के बाद खारिज कर दिया है। इस मामले में ईओडब्ल्यू ने तत्कालीन अपर कलेक्टर सहित 7 लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया था। वही 12 वर्ष के बाद ईओडब्ल्यू ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 4 फरवरी 2022 को विशेष न्यायालय में पेश किया था,जंहा इनकी भी जमानत याचिका खारिज हो गई थी।

इसी मामले में फरार 4 आरोपी विजय कुमार गुप्ता निवासी देवीगंज रोड संगम चौक,अजय कुमार मिश्रा सहायक शिक्षक,निवासी नमनाकला रिंग रोड,अखिल कुमार गुप्ता निवासी नमनाकला एवं दिलीप विश्वकर्मा अग्रसेन चौक अम्बिकापुर ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से 5 फरवरी 2022 को विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अम्बिकापुर यहां अग्रिम जमानत हेतु याचिका दायर की थी जिसमें अधिवक्ता डीके सोनी के आपत्ति के बाद इन चारों की भी जमानत याचिका न्यायालय द्वारा खारिज कर दी गई।

गौरतलब है कि करीब 12 वर्ष पहले अम्बिकापुर के आरटीआई कार्यकर्ता व अधिवक्ता डीके सोनी नें सूचना के अधिकार के तहत जो जानकारी मांगी थी उसके तहत प्रोटोकाल विभाग में वीआइपी व्यक्तियों को दी जाने वाली वाहन सुविधा के नाम पर एक बडा फर्जीवाडा सामनें आया था।सूचना के अधिकार के तहत जो जानकारी सामने आई थी उसके मुताबिक वीआईपी को प्रोटोकाल विभाग द्वारा दी जानें वाली लक्जरी वाहनें के नंबर बाईक, पिकप व प्राईवेट कार के मिले थे और उन्हें किराए में लिए गये वाहनों का नम्बर बताकर भुगतान भी कर दिया गया था। सन 2010 के अक्टूबर माह में जब इस मामले की हकीकत सामनें आई तो अधिवक्ता डीके सोनी ने इस गडबडी की शिकायत राज्यपाल व मुख्यमंत्री से करते हुए उचित कार्यवाही की मांग की थी और प्रेस कांफ्रेंस के दौरान इस बात की जानकारी देते हुए अधिवक्ता डीके सोनी नें बताया था कि वर्ष 2007 से 2009 तक के दौरान प्रोटोकाल विभाग से वीआईपी को उपलब्ध कराए गये वाहनों के प्रकार ,उसकी सूची, किराया भुगतान व डीजल पेट्रोल खर्चे का विवरण आरटीआई के माध्यम से मांगा गया था और स्थानीय स्तर पर हीला हवाली के बाद राज्य सूचना आयुक्त के निर्देष के बाद प्रोटोकाल विभाग द्वारा 56 2 वाहनों की जानकारी दी गई थी। वही जांच पड़ताल के बाद 2012 में आर्थिक अपराध अन्वेक्षण ब्यूरो नें तत्कालीन अपर कलेक्टर बीके ध्रुव सहित सात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया था। इस मामले के उजागर होने के 12 साल बाद ईओडब्ल्यू ने शुक्रवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 6 लोगों के खिलाफविशेष न्यायालय में चालान पेश किया था। वही अधिवक्ता डीके सोनी के द्वारा आपत्ति दर्ज कराए जाने के बाद विशेष न्यायालय ने दोनों आरोपियों की जमानत याचिका को खारिज कर दिया जिसके बाद दोनों आरोपियों को जेल दाखिल कराया गया है।

इस मामले में चार आरोपियों की गिरफ्तारी होनी अभी बाकी है, इन्होंने अपने अधिवक्ता के माध्यम से अग्रिम जमानत हेतु याचिका दायर की थी जिसे न्यायालय ने खारिज कर दिया है वहीं तत्कालीन अपर कलेक्टर बीके धुर्वे को आईएस अवॉर्ड दिए जाने की वजह से ईओडब्ल्यू ने आरोपी तत्कालीन अपर कलेक्टर के खिलाफचालान पेश नहीं किया है। बीके धुर्वे के खिलाफ चालान पेश करने के लिए ईओडब्ल्यू ने अभियोजन की स्वीकृति हेतु सेंट्रल गवर्नमेंट से मंजूरी मांगी है।

हर्षोल्लास से मनाई गई बसंत पंचमी और सरस्वती पूजा, बच्चों को बाटे पेन-कापी व किताबे

श्रीकंचनपथ न्यूज

वृद्ध आश्रम में 20 नग कम्बल वितरण कर बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया

समाज सेवी श्रीमती नीलू सिंह 15 साल से निरन्तर कर रही है समाज सेवा

दूर्ग। बसंत पंचमी और सरस्वती पूजा का उत्सव पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वृद्ध आश्रम में ज्ञान, कला, विद्या और वाणी की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित की गयी और बच्चो ने पारंपरिक वस्त्रों में सज-धज कर पूरे विधि-विधान के साथ उनकी आराधना की।

वीणावादिनी देवी की प्रतिमा स्थापित की गयी और लोगों ने उनके दर्शन कर विद्या और सुख-समृद्धि का वरदान मांगा।इस शुभ बसंत पंचमी पर्व पर स्व सहायता समूह एवं समाज सेवी नीलू सिंह द्वारा पुजा अर्चना कर साथ ही बच्चों को कापी पैन किताबें और बिस्किट नमकीन मिठाईयां बांटी गई जिसमें 50 से ज्यादा बच्चे शामिल हुए जिसे बच्चे पा कर बहुत खुश हुएं आज के दिन वृद्ध आश्रम में 20 कम्बल वितरण कर बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। इस मौके पर उन्होंने समाज सेवी श्रीमती नीलू सिंह ने बताया हिंदू धर्मावलंबी माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मां सरस्वती की पूजा-अर्चना करते हैं। उन्होंने मां शारदा को पीत वर्ण बहुत प्रिय है, इसलिए इस दिन लोग पीले वस्त्र धारण कर इसी रंग के फूल, फल और मष्ठिान आदि से उनकी पूजा करते हैं। जैसे-जैसे बसंत ऋतु आती है, वैसे-वैसे मौसम से ठंड भी कम होनी शुरू हो जाती है।

पेड़ पौधों पर पत्ते, फूल और कलियां खिलने लगती हैं। सरसों की फसल पककर तैयार हो जाती है और प्रकृति हरी चादर ओढ़ कर अपना रंग बरसाती है।इस दौरान मौजूद संजय सिंह, आरुषि सिंह,सविता नेहा,लक्ष्मी मंन्जु,पूजा एवं साधना मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950